भाद्रपद शुक्ल पक्ष-14, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 161 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
26 नवम्बर 2023 रविवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

रेस्क्यू की राह मुश्किल, मजदूरों का इंतजार कठिन

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड में सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने की जद्दोजहद में कभी बहुत आशाजनक संकेत उभरते हैं तो कभी हताशा हावी होने लगती है। पंद्रह दिन से जारी इस बचाव अभियान में अब नये सिरे से रणनीति पर काम शुरू कर दिया गया है। सुबह 4.30 बजे से रेस्क्यू टीम ने वर्टिकल ड्रिलिंग मशीन के जरिए बोरिंग शुरू कर दी । यहां 200 मिमी चौड़े पाइप को जमीन के अंदर डाला जा रहा है. बचाव टीम का कहना है कि करीब 90 मीटर तक खुदाई की तैयारी है। अब तक 15.24 मीटर बोरिंग हो चुकी है। बचाव दल में रेल विकास निगम लिमिटेड ने यह भी बताया कि अब तक की खुदाई के दौरान किसी तरह के बड़े वाइब्रेशन का सामना नहीं हुआ है।200 मिलीमीटर चौड़ा पाइप सुरंग में दाखिल होगा, उसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 700 मिमी से लेकर 800 मिमी का चौड़ा पाइप इसी जगह पर ऊपर लेयर के तौर पर अंदर डाला जाएगा। वहीं होरिजेंटल ड्रिलिंग में बैकअप प्लान के लिए विजयवाड़ा के पास नरसिंहपुर से मैग्ना कटर मशीन भी मंगाई है, जो 4000 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पैदा करती है। दरअसल, होरिजेंटल ऑगरिंग अब तक विफल रही है।

टनल हादसाः अब वर्टिकल ड्रिलिंग ही सहारा

'90 मीटर तक वर्टिकल खुदाई होगी': एक बार जब बरमा पीछे हट जाता है और एस्केप ट्यूब साफ हो जाती है. इस पर कर्मचारी मैन्युअल रूप से अगले 10 मीटर तक ड्रिलिंग शुरू कर देते हैं. वर्टिकल ड्रिलिंग 90 मीटर तक की जानी है। जानकारों का कहना है कि रेस्क्यू ऑपरेशन कब तक पूरा हो पाएगा, यह ड्रिल की सतह और आने वाली रुकावटों पर निर्भर करेगा। हालांकि वर्टिकल ड्रिलिंग का काम भी चुनौतियों भरा है। कई टन वजनी मशीन को उस ऊंचाई तक पहुंचाना और फिर ड्रिलिंग एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

गेमिंग के लिए मोबाइल फोन दिए : सुरंग में फंसे हुए मजदूरों को टाइम पास करने और व्यस्त रखने के लिए लूडो, ताश और शतरंज भेजे गए हैं। मजदूरों को तनाव मुक्त रखने के लिए उन्हें योग करने की सलाह दी जा रही है। सरकार मजदूरों तक बीएसएनएल के जरिए फोन भेज रही है, जिससे वो लैंडलाइन से अपने घर वालों से बात कर सकें।मोबाइल फोन भी पाइप के जरिए मजदूरों तक भेजे गए हैं, ताकि वो गेम खेलकर खुद को तनाव मुक्त रख सकते हैं।

मतगणना से पहले भोपाल पहुंचे प्रत्याशी

कांग्रेस उम्मीदवारों को सावधानी की सलाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मतगणना के दिन की बड़ी चुनौती मानकर चल रही कांग्रेस ने आज अपने सभी उम्मीदवारों को मतगणना संबंधी 'प्रशिक्षण' दिया। पार्टी कार्यालय में 230 प्रत्याशियों को मतगणना की ट्रेनिंग शुरू सुबह से जारी है। पहली शिफ्ट की ट्रेनिंग में रीवा, शहडोल, जबलपुर, ग्वालियर-चंबल संभाग के उम्मीदवारों को मतदान के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों व नियमों के बारे में बताया गया। कांग्रेस के चुनाव कार्य प्रभारी व अधिवक्ता जेपी धनोपिया ने इस बारे में विस्तार से समझाया। ट्रेनिंग का दूसरा सत्र दोपहर में शुरू हुआ इसमें इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, भोपाल और सागर संभाग के प्रत्याशियों को जरूरी जानकारियां दी जाएंगी। प्रत्याशियोंके साथ उनके पोलिंग एजेंट को भी आवश्यक हिदायतें दी जा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि मतणना के दिन कांग्रेस कार्यालय में कमलनाथ,दिग्विजय सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता व अधिवक्ताओं की पूरी टीम विवेक तन्खा के साथ मौजूद रहेगी। यह सभी नेता मतगणना के दौरान आने वाली शिकायतों का निराकरण करने में उम्मीदवारों की मदद करेंगे और जरूरी होने पर संबंधित क्षेत्र के अफसरों से भी बात करेंगे। पिछले चुनाव में भी कांग्रेस ने इसी तरह कंट्रोल रूम का करीब बीस घंटे संचालन किया था।

शिवराज नरसिंहपुर से दतिया दर्शन पर

इधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज नरसिंहपुर के तेंदुखेडा क्षेत्र में पहुंचे हैं। यहां से वे दतिया जाएंगे,तथा पीतांबरा शक्तिपीठ के दर्शन करेंगे। इसके पहले वे उज्जैन व मैहर मंदिर के दर्शन भी कर चुके हैं। बताया जाता है कि दतिया से शिवराज ग्वालियर पहुंचेंगे तथा शाम को भोपाल लौट आएंगे। भाजपा के कई नेता व मंत्री विधायक मतगणना के पहले इन दिनों मंदिर दर्शन के लिये देशभर के विभिन्न स्थानों पर हैं।

मुख्यमंत्री ने आज सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉक्टर हरि सिंह गौर की जयंती पर नमन किया।

शहडोल में रेत माफिया ने पटवारी को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला

रात भर पड़ा रहा शव

शहडोल , एजेंसी।

बीती रात यहां देवलोन थाना क्षेत्र के सोन नदी में रेत के अवैध खनन को रोकने गए पटवारी को रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला। पुलिस ने बताया कि ब्यौहारी तहसील के खड्डा में पदस्थ पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल तहसीलदार के आदेश पर अपने 3 अन्य पटवारी साथियों के साथ सरकारी वाहन से पेट्रोलिंग करते रेत के अवैध खनन को रोकने गए थे। गोपालपुर गांव में खनन माफियाओं ने पटवारी के ऊपर ट्रेक्टर चढ़ाकर उसे मार डाला। बताया जा रहा है कि कई ट्रैक्टर रेत के अवैध परिवहन में लगे थे। उनमें से एक ट्रैक्टर को पटवारी प्रसन्न सिंह ने रोक लिया था, तभी माफिया के इशारे पर ड्राइवर अचानक पटवारी के ऊपर से ट्रैक्टर चढ़ाते हुए भाग गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि खनन माफिया पटवारी को कुचलने के बाद मौके से भाग गया। अन्य अवैध खननकारी भी फरार हो गए। साथी पटवारियों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी इसके बाद भी शव रात भर घाट पर ही पड़ा रहा। बताया जा रहा है कि शहडोल जिले में रेत का अवैध खनन जोरों पर है। बीती रात खनिज विभाग ने कार्रवाई के लिए 250 घन मीटर लावारिस रेत जप्त की थी। लेकिन किसी खनन माफिया के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी और पटवारी की हत्या हो गई। आरोप हैं कि यह अवैध कारोबार जिला प्रशासन पुलिस और खनिज विभाग की मिलीभगत से लंबे समय से चल रहा है। पटवारी के पर चढ़ने वाले ट्रैक्टर को पकड़ लिया गया है। चालक भी हिरासत में ले लिया गया है।

मौसम का मजबूत सिस्टम सक्रिय, होगी बरसात

भोपाल। मध्यप्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ, ट्रफ लाइन और चक्रवाती हवाओं के घेरे से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। प्रदेश में अगले 4 दिन तक बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा का दौर रह सकता है। मौसम केंद्र भोपाल के वैज्ञानिकों ने इंदौर-उज्जैन संभाग के साथ भोपाल और नर्मदापुरम के कुछ जिलों में सिस्टम का असर सबसे ज्यादा होने का अनुमान जताया है। दो दिन बाद यानी 28-29 नवंबर को यही सिस्टम प्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर समेत कई इलाकों में बारिश कराएगा। गौरतलब है कि दो दिन से राजधानी में भी मौसम बदला हुआ है और ठंडी हवा का दौर है। धूप भी नरम है।

हमास ने 13 इजरायलियों सहित 17 को किया रिहा

गाजा । हमास ने फिलिस्तीनी कैदियों के छोड़े जाने के बदले में 13 इजरायली बंधकों के दूसरे समूह को रिहा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हमास ने इज़रायल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसके कारण बंधकों के बदले कैदियों की अदला-बदली में कई घंटों रूकी रही।

मोदी का सवाल- विदेश में जाकर शादी क्यों करते हो

नई दिल्ली , एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश में जाकर शादी करने वालों से आज अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में सवाल पूछा। मोदी ने कहा कि क्या विदेश में जाकर शादी करना जरूरी है मैं बीते महीनों में देख रहा हूं कि लोग देश छोड़कर लोग विदेशों में जाकर शादी कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि अगर आप लोग देश में शादी करेंगे तो देश की आर्थिक तरक्की होगी। इससे आपको अपने बच्चों को भी बताने में आनंद आएगा।

पीएम ने कहा देशी उत्पादों की खरीद का उल्लेख फिर किया। उन्होंने कहा कि गत माह भी 'मन की बात' में मैंने वोकलफार लोक यानी स्थानीय उत्पादों को खरीदने पर जोर दिया था। बीते कुछ दिनों के भीतर ही दिवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया । मोदी ने कहा कि कुछ खरीदते समय यह देखने लगे हैं कि उसमें मेड इन इंडिया लिखा है या नहीं। जैसे 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता ही उसकी प्रेरणा बन रही है वैसे ही वोकल फार लोकल की सफलता, विकसित भारत के द्वार खोल रही है । ये अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती व रोजगार की गारंटी है। आज पीएम ने सबसे पहले 26/11 मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोंगों को याद किया। मोदी ने कहा कि आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। ये भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उभरे और अब पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं।

मेट्रो एंकर

खुलासा... 995 ट्रेन ड्राइवर्स पर हुआ एक्शन,दिल्ली में सबसे ज्यादा,मुबंई में कम, मप्र खामोश

पटरियों से हट जाओ...मैं नशे में हूं !

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश की लाइफलाइन मानी जाने वाली रेलवे में लाइफ कई बार खतरे में रही है। यह बात रेल महकमे की जांच व कार्रवाईयों से भी साफ हो रही है। पिछले पांच साल में रेलवे के तीन जोन में कम से कम 995 रेल लोको पायलट शराब पीकर ट्रेन चलाने जाते या ट्रेन चलाकर उतरते हुए नशे में मिले हैं। इसमें से एक तिहाई लोको पायलट को ड्यूटी खत्म करने के बाद इस टेस्ट में फेल हुए। यानी उन्होंने शराब के नशे में गाड़ी चलाई थी। यह खुलासा एक आरटीआई में हुआ है।

दरअसल रेलयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी लोको पायलट को ट्रेन पर जाने से पहले क्रू एंड गार्ड लॉबी में जाकर ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट से गुजरना पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट के मताबिक इसमें दिल्ली रेलवे डिवीजन पहले नंबर पर रहा है क्योंकि इस डिवीजन में 481 लोको पायलट ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में नाकाम रहे। इनमें से 181 यानी 38 परसेंट लोको पायलट पैसेंजर ट्रेनों के थे। इन 471 लोको पायलटों में से 189 तो कैबिन से उतरने के तुरंत बाद टेस्ट में फेल हुए। यानी उन्होंने शराब के नशे में गाड़ी चलाई थी। यहां तक कि गुजरात में भी 104 लोको पायलट इस टेस्ट में फेल रहे जबकि इस राज्य में शराब पर प्रतिबंध है। इनमें से 41 लोको पायलट तो पैसेंजर ट्रेन चलाने के बाद टेस्ट में फेल रहे। मतलब उन्होंने शराब के नशे में गाड़ी चलाई थी। वहीं मुंबई का प्रदर्शन बेहतर रहा। मुंबई में 11 लोको पायलट इस टेस्ट को पास करने में नाकाम रहे। इनमें से तीन पैसेंजर ट्रेन के पायलट थे।

आरटीआई जवाब के मुताबिक जबलपुर रेलवे डिवीजन ने कहा कि वह इस तरह का कोई रेकॉर्ड नहीं रखता है जबकि भोपाल डिवीजन ने कोई भी जवाब देने से साफ इन्कार कर दिया। मप्र में नीमच के आरटीआई एक्टिविस्ट चंद्रशेखर गौड़ के सवालों के जवाब में रेलवे ने यह जानकारी दी है। रेलवे ने बताया कि 995 लोको पायलट इस टेस्ट में फेल रहे। वेस्टर्न रेलवे के मुताबिक पिछले पांच साल में 273 लोको पायलट इस टेस्ट में फेल रहे। इनमें से 82 पैसेंजर ट्रेन के पायलट थे। रतलाम डिवीजन में 158 मामले सामने आए जिनमें से 32 लोको पायलट का ताल्लुक पैसेंजर ट्रेन से था। हालांकि वेस्टर्न रेलवे ने यह नहीं बताया कि ये लोको पायलट ड्यूटी पर जाने से पहले टेस्ट में नाकाम रहे या ड्यूटी खत्म होने के बाद।

यह है कार्रवाई का प्रावधान

वेस्टर्न सेंट्रल रेलवे के पीआरओ हर्षित श्रीवास्तव ने कहा है कि शराब पीकर पकड़े गए लोको पायलट के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इस बारे में 2012 में रेल मंत्रालय ने सभी चीफ सेफ्टी ऑफिसर्स को एक सर्कुलर भेजा था। इसके मुताबिक अगर किसी लोको पायलट में अल्कोहल का लेवल एक से 20 एमजी/100 मिली पाया जाता है तो उसे ड्यूटी से हटा दिया जाना चाहिए और इसे उसके सर्विस रेकॉर्ड में मार्क किया जाना चाहिए।

रोजाना लाखों लोग हो रहे परेशान तब भी प्रशासन को सूझ रही कमाई

न सड़कें ठीक, न पार्किंग का माकूल इंतजाम सिर्फ चालान वसूली पर जोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भीतरी व बाहरी हर इलाके में आजकल चालान काटने के लिए तत्पर वर्दीधारी खड़े हैं। उनकी पूरी कोशिश है कि चुनाव के बाद नियमों की आड़ में जितनी वसूली हो सके की जाए। हालांकि मौका सड़क सुरक्षा पखवाड़े का बताया जा रहा है। पुलिस व आरटीओ अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अलग–अलग मोर्चों पर वाहन चालकों को रोका जा रहा है और उन्हें किसी न किसी नियम में 'उलझाने' की कोशिशें भी हो रही हैं। मगर वाहनचालकों पर तमाम जिम्मेदारी डालने वाला प्रशासन खुद अपनी कमी नहीं देख रहा। राजधानी में आलम यह है कि सड़कें खराब है, धूल उड़ रही है,बाजारों में पार्किंग के इंतजाम नहीं हैं,अतिक्रमणों से सड़कों को संकरा कर रखा है।

दूसरी तरफ खराब सड़कें भी प्रदूषण के चलते एयर क्वालिटी इंडेक्स को चिंताजनक बना रही हैं। यह तीन सौ को पार कर रहा है। यह बात एनजीटी बार–बार दोहरा रही है,सरकार को चेता भी रही है, जवाब मांगे जा रहे हैं। तब भी सड़कों की हालत ठीक करने पर कोई काम नहीं हो रहा है। धूल से लड़ने के लिए शहर भर में केवल एक–दो वाटर फागर मशीनें भर चल रही है। उधर शहर में वाहन पार्किंग का कोई इंतजाम नहीं है, सड़कों पर वाहन खड़े करने पड़ रहे हैं। उसमें भी ट्रैफिक वाले वाहन खींचकर गाड़ी कमाई कर रहे हैं, बल्कि ठेके पर कर्मचारी रख रखे हैं, जो पार्किंग से बाहर खड़े किए जाने वाले वाहनों को एमपी नगर, न्यू मार्केट जैसे क्षेत्रों से खींच रहे हैं। नियमों के आड़ में जिस तरह से प्रशासन के लोग आम आदमी को परेशान कर रहे हैं, उन्हीं नियमों का अधिकारी पालन नहीं कर रहे हैं। जैसे– शहर की सड़कों को गुणवत्तापूर्ण नहीं रख पा रहे है। निर्माणधीन सड़कों पर पानी की बौछारें नहीं छोड़ पा रहे हैं। कॉलोनियों की कच्ची सड़कें नहीं बनाई जा रही है। सड़कों पर वाहन खड़ा करने का हवाला देकर वाहन उठाने वाले एमपी नगर थाने के पुलिस अधिकारी पार्किंग का इंतजाम करवाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं।

बिगडैल सिस्टम के बावजूद ऐसी सक्रियता !

पुलिस के अधिकारियों ने हेलमेट नहीं पहनने वाले 1000 लोगों को पिछले चार दिनों में पकड़ा है। नियमों का पालन नहीं करने वाले दूसरे लोगों पर जिस तरह अधिकारियों ने सक्रियता दिखाई है उसी अनुरूप सिस्टम सुधारने पिछले तीन दिनों में जीरो काम किया है। अधिकारियों ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के घरों पर चालान भेजना तेज कर दिया है लेकिन इस तरह की तेजी बिगडैल ट्रैफिक सिस्टम को सुधारने में नहीं दिखाई जा रही है।

खुद भी नियमों का पालन करें

हर क्षेत्र के जानकार लोग भी इस बार पर जोर देते हैं कि सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। इसमें कोई कमी नहीं आनी चाहिए। यह तो अधिकारियों की ही जिम्मेदारी है कि सड़कें ठीक हो, उनकी गुणवत्ता लंबे समय तक टिके, यदि निर्माण कार्य चल रहे हो तो वह कवर्ड हो, नियमित पानी का छिड़काव हो, काम जल्दी पूरा हो, शहर में पार्किंग सुव्यवस्थित हो।

चौराहे चौड़े होंगे, अवैध ठेले हटाए जाएंगे

ज्ञात हो कि कोर्ट के सख्त रूख के बाबद पुलिस व प्रशासन हरकत में हैं। **कलेक्टर आशीष सिंह** का कहना है कि यातायात व्यवस्था दुरस्त करने अभी 3.50 करोड़ रुपया मिला है, शहर में ट्रैफिक व्यवस्थित करना प्राथमिकता है, इसके लिये लगातार निरीक्षण जारी रहेंगे । कुछ बाजारों में जाम की स्थिति बन जाती है, उनको दुरूस्त कराने के लिए अगले चरण में वहां निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिये चौराहे चौडे होंगे व अवैध ठेले हटेंगे।

महापौर पर निष्क्रियता के लगे आरोप

प्रापर्टी टैक्स का सरलीकरण नहीं हुआ, महंगे पड़ रहे नल कनेक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा शासित भोपाल नगर निगम की महापौर मालती राय पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता व पूर्व महापौर विभा पटेल ने कहा है कि डेढ़ साल के कार्यकाल में भोपाल का कोई विकास नहीं किया, रायं की छवि भोपाल नहीं बल्कि सिर्फ नरेला महापौर के रूप में है, 3300 करोड़ का बजट होने के बाद भी भोपाल शहर की 1450 से अधिक कालोनियों रहवासियों को बल्क की जगह व्यक्तिगत नल कनेक्शन देने के महत्वपूर्ण वादे को अब तक पूरा नहीं किया गया, नतीजतन इन कॉलोनियों के रहवासियों को बल्क कनेक्शन के नाम पर हर माह 800 से 1000 रुपए खर्च करना पड़ रहे हैं।

विभा पटेल ने कहा कि महापौर मालती राय ने नागरिकों से नगर निगम परिषद चुनाव के समय प्रॉपर्टी टैक्स का सरलीकरण करने का वादा किया, लेकिन इस पर आज तक अमल नहीं किया गया। नगर निगम में भ्रष्टाचार बढ़ाने की वजह से घर-घर में प्रॉपर्टी टैक्स के अनाप-शनाप बिल पहुंच पहुंचने से रहवासी परेशान हैं, संबल योजना में हुई गड़बड़ी ने नगर निगम में चल रहे भ्रष्टाचार की पोल खोल दी लेकिन दोषियों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। ये स्थिति भी तब है जबकि मालती राय ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की बात कही थीं।

पटेल ने भोपाल को देश का स्वच्छ शहर बनाने का वादा याद दिलाते हुए पूछा है, उनके इस वादे का क्या हुआ? वर्ष 2022 के स्वच्छता सर्वे में भोपाल फिसड्डी साबित हुआ। स्वच्छता रैकिंग में टॉप फाइव में भी उसे जगह नहीं मिली।

एनीमेशन स्टूडियो टिप टेल्स का 'हैप्पी स्क्रीनिंग' अभियान

भोपाल। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जहांगीराबाद में, मुंबई स्थित एनीमेशन स्टूडियो टिप टेल्स ने टीम एक्स्ट्राचाइल्डहुड के सहयोग से बच्चों को भारतीय परंपरा और संस्कृति से समृद्ध शैक्षिक सामग्री प्रदान करने के लिए अपना 'हैप्पी स्क्रीनिंग' अभियान शुरू किया। टिप टेल्स भोपाल के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों में 100 से अधिक विशेष स्क्रीनिंग शो चलाएगा। टिप टेल्स अपने सबसे लोकप्रिय एनीमेशन पात्रों, पीकू और तुकी के माध्यम से दिलचस्प कहानियाँ प्रदर्शित करेगा, श्रृंखला के निर्माता-निर्देशक पूषन चक्रवर्ती ने कहा। यह स्क्रीनिंग प्रीस्कूल और प्राथमिक कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

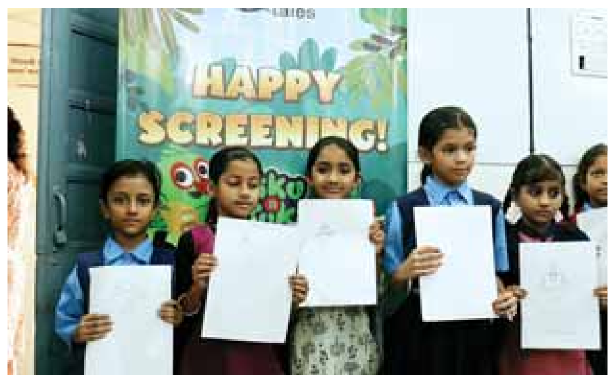

26/11 की याद.....

भोपाल। मुम्बई के ताज होटल में आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले में शहीद हुए पुलिस कर्मियों को सेना के जवानों को आम नागरिकों को जय हिंद सेना के सदस्यों ने भारत माता चौराहा डिपो पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

आहार को औषधि बनाए, औषधि को आहार नहीं: टेवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में चल रहे 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी और साधकों ने अपने अनुभव रखे।

शिविर की गतिविधियों पर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया किया शिविर में देशभर से साधक हिस्सा ले रही है। इस शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया जाता हैं जैसे- डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइट्सि, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर का इलाज किया गया।

प्राकृतिक चिकित्सा रोग निवारण शिविर में अनुभव सत्र

टेवानी ने शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवों का साझा किया। अगला शिविर 01 से 10 दिसम्बर 2023 को आयोजित किया जाएगा।

अनुशासनात्मक जीवनशैली ही विद्यार्थी जीवन का मुख्य सूत्र

मिनी चैम्पियंस खेल दिवस में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिन्दाराम पब्लिक स्कूल, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल एवं विद्यासागर पब्लिक स्कूल में 'मिनी चैम्पियन्स खेल दिवस' का आयोजन हुआ, मिठी खेल मैदान पर बच्चों ने खेल प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं खेल भावना का प्रतीक रूप मशाल प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में मार्च पास्ट के उपरांत विभिन्न रोमांचकारी खेल जिसमें, रेस (रिले, जैली फिश, फनी-बनी केरेट, बीट द हीट, जिगजेग, रिवर्स वॉकिंग, हुलाहूप, पार्टन रेस, हर्डल रेस, लेमन-स्पून, बुक बैलेंसिंग रेस, 50मी. फ्लेट रेस, पिक द बॉल्स, ऑबस्टीकल रेस आदि), डम्बलबेल्स पी.टी., एरोबिक्स, योग एवं मार्शल आर्ट की प्रस्तुतियां दी गई।

इस अवसर पर सिद्धभाऊजी ने अपने संप्रेषित संदेश में संस्थान स्थापना दिवस एवं वार्षिक खेल दिवस पर बधाई दी। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने कहा कि माता-पिता एवं गुरूजनों का आज्ञा पालन एवं अनुशासनात्मक जीवनशैली ही विद्यार्थी जीवन का मुख्य सूत्र है।

संस्था उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव एसी साधवानी और प्राचार्य अजय बहादुर सिंह एवं उप प्राचार्या आशा चंगलानी ने संस्था के 28वें स्थापना दिवस एवं वार्षिक खेल दिवस पर बधाई दी।

---

९ दिसंबर को नेशनल लोक अदालत

भोपाल। भोपाल जिला न्यायालय और तहसील न्यायालय बैरसिया में ९ दिसम्बर को इस वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के लिए सभी न्यायाधीश, नोडल न्यायिक अधिकारी, विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, पुलिस, यातायात पुलिस, दूरसंचार विभाग एवं प्रशासन के अधिकारियों तथा बीमा कंपनियों के अधिकारियों, अधिवक्ताओं सहित पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग बैठकें आयोजित की जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आव्हान किया गया है कि नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति के आधार पर कराया जाकर लोक अदालत का लाभ उठाए। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल एवं तहसील विधिक सेवा समिति बैरसिया से सम्पर्क किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर | दादा वासवानी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

बच्चों ने रैली निकालकर शाकाहार का दिया संदेश

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में दादा टीएल वासवानी का जन्म दिन मनाया गया। बच्चों ने रैली निकालकर मूक प्राणियों पर दया करो, शाकाहार अपनाओं के नारे लगाते हुए शाकाहार का आग्रह किया। इसके बाद शाला भवन में दादा वासवानी व संत हिरदारामजी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप-प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी और मुख्य अतिथि जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने शाकाहार को लेकर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं राजकुमारी चोटरानी ने की। अवसर पर कविता मीरचंदानी, सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, वासदेव मोतियानी, बसंत चेलानी, कैलाश वासवानी, नंद दादलानी, प्रतापरॉय तेजवानी, नारी तनवानी, कन्हैयालाल रामनानी, पूजा ज्ञानचंदानी ने भी अपने विचार रखे। विद्यालय में नूरी ग्रंथ साहिब जी का पाठ रखा गया था, जिसका समापन आरती, अनंद साहिब, अरदास व भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल साधु टी.एल. वासवानी का जन्मदिवस शाकाहार दिवस के रूप में मनाया गया। विद्यालय के स्टाफ मेम्बर एवं विद्यार्थियों द्वारा माँसाहार त्यागने का संकल्प लिया गया।

साधु टी. एल. वासवानी के छाया चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की गई। संस्था के सचिव बसंत चेलानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी दादा टी. एल वासवानी को याद करते हुए कहा कि जिसका आहार शाकाहारी आहार होगा, उसका ही उत्तम व्यवहार होगा।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी. शाहानी कन्या विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में मीट लेस डे और गुरु नानक जयंती मनाई गई विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने दादा वासवानी की राह पर चलने का आव्हान किया।

सभी डीएफओ को निर्देश जारी, निगरानी भी होगी

जंगलों में चंदन के पौधे रोपने के निर्देशों की महकमे में महक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के जंगलों में चंदन के पौधे रोपने की योजना तैयार की गई है। इस सिलसिले में वन बल प्रमुख रमेश कुमार गुप्ता ने सभी सीसीएफ एवं वनमंडलों के डीएफओ को वर्ष 2024- 25 में व्यापक तौर पर चंदन के पौधे रोपने के दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यदि निर्देशों पर अमल सही तरीके से हुआ तो जंगलों में कहीं चंदन की महक भी बिखर सकती है। इन पौधों को किसी कीट समस्या से बचाने के लिये इनके दोनों तरफ अरहर व तुलसी रोपने को कहा गया है। इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि क्षेत्र का चैनलिंक फेंसिंग के साथ लकड़ी के खम्भे या बांस पोल्स से घेराव किया जाये। चंदन रोपण के लिए स्थल में जल भराव नहीं हो। बताया जाता है कि चंदन के पौधों के लिये मुरमुरी, रेतीली व बालू मिट्टी वाला क्षेत्र चन्दन रोपण के लिये उपयुक्त होता है। क्षेत्र में तीन तीन मीटर के गैप में यह च्ंदन रोपे जाएंगे। इसके लिये आगामी वर्षों में आवश्यकतानुसार खाद का उपयोग किया जावेगा। चूंकि चंदन के पौधे प्रारंभिक तीन-चार साल पारशियल रूट पेरासाईट होते हैं, इसलिये इसके होस्ट प्लांट के लिए अरहर व तुलसी दोनो को गढ्ढों से 6-7 इंच की दूरी पर पौधे के एक तरफ 7 इंच की दूरी पर अरहर रोपित किया जाएगा अर्थात चन्दन व के दूसरी तरफ तुलसी के पौधे रोपे जाएंगे। कीटों का प्रकोप होने पर क्लोरोपाईरिफॉस का उपयोग करने को कहा गया है।

संयुक्त वन प्रबंधन समितियों का सहयोग

इन चंदन पौधों की सुरक्षा संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के सहयोग से होगी। यह योजना सात वर्षीय रहेगी। फेंसिंग हेतु खरीदी जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता एवं भंडार क्रय नियम का पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा प्रचलित मजदूरी दरों के अनुसार राशि का आवंटन किया जायेगा। चंदन वृक्षारोपण क्षेत्र का आंकलन लगाए गए पौधों की संख्या के आधार पर होगा अर्थात। 1100 पौधों का एक हेक्टेयर माना जावेगा। पौधों के परिणाम का आकलन करने के लिये सर्वेक्षण भी होगा।

फाइल फोटो

विधानसभा चुनाव में कसौटी पर हैं छोटे सियासी दल

ताकत दिखाने की तरकीबें...मप्र में 230 सीट और 106 दल!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में तीसरी शक्ति के तौर पर उभरने व स्थापित होने के लिये तीन दशक से बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी जोर आजमाइश करती रही हैं लेकिन हर बार चुनाव में कुछ नये दल भी बनते-बिगडते रहे हैं। इससे बड़ी पार्टियों के उम्मीदवारों का चुनावी गणित भी गड़बड़ता रहा है।

हाल में संपन्न मप्र के विधानसभा चुनाव में भी इस बार करीब 46 नये व कुल 106 दलों ने किस्मत आजमाई है तथा अंचलवार मतदाताओं को लुभाने के लिए जोर लगाया है। इसकी शुरूआत तो विंध्य क्षेत्र के लिये विंध्य जनता पार्टी का गठन कर विधायक नारायण त्रिपाठी ने की थी। बाद में वे तेलंगाना की बीआरएस से भी जुडते नजर आये थे। उन्होंने अपनी पार्टी के 20 प्रत्याशी मैदान में उतारे वे खुद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इधर नर्मदा क्षेत्र की विधानसभा सीटों में नर्मदाखंड नवनिर्माण सेना और मालवांचल की कुछ सीटों पर मालवा कांग्रेस ने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाया।

दरअसल, आंकड़े बताते हैं कि कई विधानसभा सीटों में छोटे दलों को मिलने वाले मतों की संख्या एक हजार से ऊपर रही है। वर्ष 2018 के चुनाव में बहुजन संघर्ष दल ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की सीटों पर सात हजार तक मत लेकर बसपा को नुकसान पहुंचाया था। यहीं महान दल के प्रत्याशियों को भी 17 हजार तक मत मिले। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशियों को ग्वालियर-चंबल और विंध्य क्षेत्र में तीन हजार मत मिले। इस बार मैदान में आम आदमी पार्टी भी कूदी है,जो विंध्य व चंबल में जोर लगाती दिखी है, जानकारों का मानना है कि यदि इस पार्टी ने भी वोट काटे तो भाजपा व कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। क्योंकि सपा व बसपा पहले ही उप्र से सटे मप्र के इलाकों में जोर लगाती रही है।

सात हजार तक वोट हासिल किए

हालांकि पिछले 2018 के चुनाव परिणाम को देखें तो यह छोटे-छोटे दलों के प्रत्याशी भले ही न जीते हों पर सात हजार तक वोट लेकर परिणाम को अवश्य प्रभावित किया। इसीलिये ऐसे दल कहीं कांग्रेस तो कहीं भाजपा और बसपा को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नजर आ रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़े देखें तो लगभग 10 उम्मीदवारों की हार-जीत एक एक हजार से भी कम मतों के अंतर से होती है। इस बार 106 दल चुनाव लड़े, जिसमें 46 नए हैं। वर्ष 2018 के चुनाव में निर्दलीयों के अलावा 119 राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। बुंदेलखंड में क्रांति दल ने उम्मीदवार उतारे थे। इस बार यह दल बाहर रहे। इन अंचलों की सियासत राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय विषयों के अलावा स्थानीय मुद्दों से भी प्रभावित रहती है।

फिर दो हजार करोड़ का कर्ज लेगी मप्र सरकार

आचार संहिता के दौर में तीसरी बार कर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लगातार कर्ज लेने के मामले में आरोपों से घिरी रहने वाली मप्र सरकार अब 28 नवंबर को दो हजार करोड़ रुपये का फिर ऋण लेने वाली है। खास बात यह है कि नौ अक्टूबर को विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद सरकार तीसरी बार कर्ज ले रही है। 23 नवंबर को सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये और 31 अक्टूबर को दो हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया था और अब 28 नवंबर को दो हजार करोड़ रुपये का ऋण लिया जाएगा।

बताया जाता है कि इस वर्ष अब तक राज्य सरकार 11 हजार करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। वहीं राज्य सरकार पर अब तक कुल 3,31,651.07 करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ चुका है। सरकार का तर्क है कि राज्य के विकास के लिए कर्ज लेती आ रही है। यह एक सतत प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन के लिए कर्ज लिया जा रहा है। यह कर्ज एक निश्चित समय अवधि में चुका भी दिया जाता है। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रति वर्ष रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआइ) द्वारा निर्धारित सीमा तक कर्ज लिया जा सकता है। राज्य सरकार इस सीमा के अंदर ही बाजार से कर्ज लेती है। इसके अलावा नाबार्ड, वर्ल्ड बैंक और बाजार से भी राज्य सरकार ऋण लेती है। वहीं जानकारों का कहना है कि प्रदेश की जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) अच्छी है। राज्य सरकार कुल जीएसडीपी का 3.5 प्रतिशत कर्ज ले सकती है। वित्त वर्ष 2001-02 में प्रति व्यक्ति आय 11,718 रुपये थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ कर एक लाख 40 हजार 583 रुपये हो गई है। राज्य की जीएसडीपी की वृद्धि दर विगत एक दशक में राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर से अधिक रही है।

मई से नवंबर तक, बढ़ा रहा कर्ज का बोझ

30 मई, 2023-- दो हजार करोड़ रुपये

नौ जून, 2023- चार हजार करोड़ रुपये

सात सितंबर, 2023-- एक हजार करोड़ रुपये

22 सितंबर, 2023-- एक हजार करोड़ रुपये

23 अक्टूबर, 2023 -- एक हजार करोड़ रुपये

31 अक्टूबर, 2023-- दो हजार करोड़ रुपये

९ दिसम्बर को जिला न्यायालय में होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में ९ दिसम्बर को इस वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए विधिक जागरूकता शिविरों, सोशल मीडिया प्लेटफार्म सहित नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत के लिए सभी न्यायाधीशगणों, नोडल न्यायिक अधिकारीगण, विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, पुलिस, यातायात पुलिस, दूरसंचार विभाग एवं प्रशासन के अधिकारियों तथा बीमा कम्पनियों के अधिकारियों, अधिवक्ताओं सहित पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग बैठकें आयोजित की जा रही है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एसपीएस बुन्देला द्वारा आव्हान किया गया है कि नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति के आधार पर कराया जाकर लोक अदालत का लाभ उठाये। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल एवं तहसील विधिक सेवा समिति वैरसिया से सम्पर्क किया जा सकता है। पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव बढ़ता है,कटुता समाप्त होती है, समय, धन व श्रम की बचत होती है। कोई भी पक्षकार हारता नहीं है दोनों पक्षकारों की जीत होती है। लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण होने से न्याय शुल्क वापस होता है। लोक अदालत का आदेश/निर्णय अंतिम होता है, लोक अदालत के आदेश के विरुद्ध अपील नहीं होती। लोक अदालत में निराकरण होने से पक्षकारों के मध्य दिवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है।

छात्रों ने जमा किया सेंटर चार्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

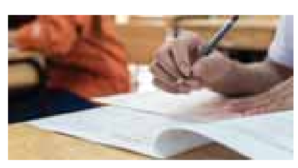

बीयू की बीएड फोर्थ सेमेस्टर की स्पेशल एटीकेटी परीक्षा में मध्यप्रदेश के 82 कॉलेजों के 470 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। परीक्षा के लिए बीएड कॉलेजों को 100 रुपए प्रति छात्र के हिसाब से सेंटर चार्ज जमा करना होता है, लेकिन करीब 50 कॉलेजों ने परीक्षा शुरू होने तक भी सेंटर चार्ज जमा नहीं किया था। ऐसे में भेल कॉलेज प्रबंधन ने जब निजी बीएड कॉलेज प्रबंधन से सेंटर चार्ज जमा करने की बात कही, तो उन्होंने छात्र से पैसे लेने को कहा। ऐसे में परीक्षा के समय छात्रों को ही यह शुल्क जमा करना पड़ा। बता दें शासकीय बाबूलाल गौर पीजी भेल कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया था।

एलएलबी परीक्षा के आवेदन 4 दिसंबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीयू ने एलएलबी तीसरे, पांचवें, सातवां और नौवां सेमेस्टर नियमित और एटीकेटी के विद्यार्थी चार दिसंबर तक परीक्षा आवेदन जमा कर सकते हैं। इनमें यूटीडी के छात्र भी शामिल हैं। बताया जाता है कि इससे पहले परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 24 नवंबर थी, जिसे अब बढ़ाकर चार दिसंबर तक कर दिया गया है।

मेट्रो एंकर — स्नातक कोर्स से जुड़े बीयू सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय

छात्रों को दी जाएगी ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) देश के 200 विवि को इनकी मंजूरी दी है। इसमें बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी, केंद्रीय संस्कृत संस्थान सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय शामिल हैं। खास बात यह है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल स्थापित किए गए हैं। यहां पर छात्रों को रिसर्च के प्रति जागरूक, जानकारी और मदद दी जाएगी। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम और नए सिलेबस से पढ़ाई कराई जाएगी।

बताया गया कि ऑनर्स विद रिसर्च के लिए छात्रों के पास 7.9 सीजीपीए यानी 75 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। यह डिग्री भी केवल वही कॉलेज करा सकेंगे, जिसमें परमानेंट दो पीएचडी गाइड हैं। जिन कॉलेजों में पीएचडी गाइड नहीं नहीं है वह यह डिग्री नहीं करा सकते हैं। प्रदेश ने 30 फीसदी कॉलेजों में ही यह सुविधा है। यूजीसी के अनुसार स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे को अधिसूचित किया है।

रिसर्च स्पेशलाइजेशन के साथ ऑनर्स की डिग्री

छात्र 120 क्रेडिट पूरा होने पर तीन वर्षीय यूजी डिग्री और 4 वर्ष में 160 क्रेडिट पूरा करने पर एफवाईयूपी ऑनर्स डिग्री हासिल कर सकेंगे। रिसर्च के इच्छुक छात्रों को चार साल के अंडर ग्रेजुएशन पाठ्यक्रम में एक रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू करना होगा। इससे उन्हें रिसर्च स्पेशलाइजेशन के साथ साथ ऑनर्स की डिग्री हासिल होगी। यूजीसी ने एनईपी के प्रावधानों का पालन करते हुए छात्रों को 3 वर्षीय स्नातक डिग्री के साथ 4 वर्षीय ऑनर्स डिग्री हासिल करने का विकल्प प्रदान किया है।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

प्रवाह
रविवारीय

दोपहर मेट्रो भोपाल, रविवार, 26 नवंबर 2023 www.dopaharmetro.com

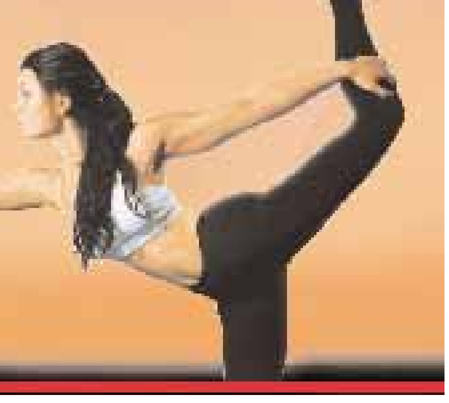

38 लाख जोड़े खाएंगे शादी का लड्डू
कितने करोड़ होंगे खर्च?

■ अमिताभ भट्टासाली

भारत में शादियों का सीज़न शुरू हो गया है. देश के विभिन्न शहरों से मिले आंकड़ों के मुताबिक अगले कुछ दिनों के दौरान कम से कम 38 लाख शादियां होंगी और इन पर कम से कम 4.74 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे.।व्यापारियों के एक राष्ट्रीय संगठन ने यह आंकड़ा जारी किया है. इनमें 50 हज़ार ऐसी शादियां भी हैं जिनमें हर शादी का खर्च एक करोड़ से ज़्यादा होगा।इसके अलावा सात लाख शादियों का खर्च तीन-तीन लाख से कम रहेगा जबकि अन्य 50 हज़ार शादियों में 50-50 लाख रुपये खर्च होंगे।कोलकाता का एक बंगाली परिवार इस सीजन में अपनी इकलौती लड़की की शादी में क़रीब 20 लाख रुपये खर्च कर रहा है. इसके उलट ऐसे अभिभावक भी हैं जो लड़की की शादी में एक लाख रुपए से भी कम खर्च कर रहे हैं।व्यापारिक संगठन का कहना है कि सिर्फ़ दिल्ली में ही चार लाख शादियां होंगी और उन पर सवा लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। संगठन ने दिल्ली, मुंबई और कोलकाता समेत देश के 30 शहरों के व्यापारियों से आंकड़े जुटाए हैं।बीते साल शादी के इसी सीजन में देश में हुई 32 लाख शादियों पर क़रीब पौने चार लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे। व्यवसायियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने बीबीसी से कहा कि केंद्र सरकार और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को कुछ महीने पहले ही बोनस और इंसेंटिव मिला है. ऐसे में लोगों के पास लड़के और लड़कियों की शादी में खर्च करने के लिए पर्याप्त रकम है। उनका कहना है, फकोविड के कारण कुछ साल तक लोग शादियों में धूमधाम नहीं कर सके थे. इस साल लोगों ने जिस तरह निडर होकर दिवाली पर रिकॉर्ड रक़म खर्च की है, उसी तरह सर्दियों में शादी के इस सीजन में एक नया रिकॉर्ड बनेगा. दीवाली पर पूरे देश में 3.75 लाख करोड़ का कारोबार हुआ है. शादी के मौसम में यह रिकॉर्ड टूट जाएगा।फभारत में काफी धूमधाम से होने वाली शादी समाराहों को द बिग फैट इंडियन वेडिंग कहा जाता है।

खंडेलवाल का कहना था कि भारतीय शादी की ख़रीदारी में साड़ी और लहंगा जैसी चीज़ों पर कुल खर्च का 10 फ़ीसद रक़म खर्च करते हैं. इसके अलावा आभूषणों पर 15 प्रतिशत और विद्युत उपकरणों पर पांच प्रतिशत खर्च करते हैं.

एक शादी में होने वाले कुल खर्च में से आधा ख़रीदारी पर होता है और बाकी विभिन्न सेवाओं पर. शादी समारोह के आयोजन में इन सबकी प्लानिंग के लिए अब वेडिंग प्लानर का प्रचलन भी बढ़ा है।दिल्ली के इवेंट मैनेजर और वेडिंग प्लानर सीरत गिल ने इस सीज़न की शुरुआत में ही एक शादी समारोह की योजना तैयार की है। उन्होंने बीबीसी से कहा, ÷शादी के दिन होने वाले खर्च में से करीब 50 प्रतिशत आयोजन स्थल के किराए और कैटरिंग पर खर्च होता है. इसके अलावा साज-सज्जा पर 15 प्रतिशत, वीडियोग्राफ़ी पर 10 प्रतिशत, शराब पर सात प्रतिशत, मनोरंजन पर पांच प्रतिशत और लड़की और परिजनों के मेकअप पर तीन प्रतिशत रक़म खर्च होती है. इसके अलावा विभिन्न सेवाओं पर 10 प्रतिशत रकम खर्च होती है. इसी में हमारे जैसे वेडिंग प्लानरों की फ़ीस भी शामिल है।

ज़्यादातर लड़के और लड़कियां भारतीय सिनेमा और धारावाहिकों में आयोजित होने वाले शादी समारोहों की तर्ज पर ही अपनी शादी का समारोह आयोजित करना चाहते हैं। यही वजह है कि अधिकतर भारतीय शादियां एक जैसी नज़र आती हैं. ज़्यादातर मामलों में यह पहचानना मुश्किल है कि कौन सा समारोह किसकी शादी का है।वेडिंग प्लानर सीरत गिल कहते हैं, ÷शादी करने वाले युगल ख़ासकर लड़कियां सेलिब्रिटी और सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने वाले शादी समारोह को देखकर ही अपनी शादी के समारोह की योजना बनाते हैं.÷ वे कहते हैं, ÷ज़्यादातर लड़कियां उस सीज़न में ट्रेंड करने वाले समारोहों की तर्ज पर ही अपनी शादी की योजना बनाती हैं. इसी वजह से देश में होने वाली तमाम शादियां लगभग एक जैसी ही नज़र आती हैं।कई भावी वर-वधू भव्य समारोह की ओर आकर्षित होते हैं, वहीं कोविड के बाद ऐसी शादियों की तादाद भी बढ़ रही हैं जिनमें वर-वधू ज़्यादा खर्च किए बिना एकदम व्यक्तिगत स्तर पर शादी समारोह आयोजित कर रहे हैं।÷

आजकल अधिकतर बंगाली परिवारों में भी उत्तर भारतीय रीति-रिवाजों की तर्ज पर मेहंदी और संगीत शादियों का अभिन्न हिस्सा बन गया है। शादी के आयोजन स्थल की साज-सज्जा भी ज़्यादातर मामलों में उत्तर भारत में होने वाली शादियों की तर्ज पर ही की जाती है.लेकिन ऐसे मामलों की तादाद भी कम नहीं हैं जहां बंगाली परिवारों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के मुताबिक ही शादियां हो रही हैं.कोलकाता की रहने वाली चैताली चटर्जी इसी पारंपरिक रीति-रिवाज के मुताबिक 28 नवंबर को अपनी लड़की की शादी करेंगी.उन्होंने बीबीसी से कहा, ÷हम अपने पुराने घर को बिजली की बत्तियों और झालरों से सजा रहे हैं. कई रिश्तेदार लगातार कुछ दिनों तक यहां रहेंगे. शादी और बहूभात (स्वागत समारोह) छोड़ कर रोज़ाना क़रीब दो सौ लोगों के खाने-पीने का इंतजाम किया जा रहा है.÷वे कहती हैं, ÷हमारे घर में वेडिंग प्लानर से काम नहीं चलेगा. हम उसी तरह लड़की की शादी करेंगी जैसी अपने परिवार में देखते आए हैं. नाच-गाना भी होगा. लेकिन वह घर की लड़कियों तक ही सीमित रहेगा।÷उनका यह भी कहना था कि, ÷मेरी लड़की ने भी सोशल मीडिया पर भव्य शादी समारोह देखा है. लेकिन वह एकदम पारंपरिक रीति-रिवाजों से ही शादी करना चाहती है. उसी तरह इसका आयोजन किया जा रहा है.÷व्यावसायिक संगठन का कहना है कि लोगों के हाथों में पैसा आया है. इसलिए लड़के-लड़की की शादी में वो हाथ खोल कर खर्च कर रहे हैं।बीबीसी ने बेहद कम बजट में शादी करने वाले एक अभिभावक से भी बात की है। उन्होंने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, ÷लड़के की शादी में लगभग 70-80 हज़ार रुपये खर्च हो जाएंगे. क़रीब दस साल पहले मैंने अपने साले की शादी की थी. आप चाहें सोना कहें या दूसरी कोई चीज़, सबकी कीमत दोगुनी बढ़ गई है. लेकिन करना तो पड़ेगी ही, आखिर एक ही लड़का है।÷

साभार : बीबीसी हिंदी

काव्य, भाव और भंगिमाओं में गुंथा बेहतरीन अहसास वाला गीत...
पूरे 25 बरस पुराना लेकिन अब तक नया

दो प्रेमी समाज के दबाव की वजह से दैहिक स्तर पर तो अलग हो सकते हैं क्योंकि देह समाज की होती है। लेकिन प्रेम आत्मा का होता है। लिहाजा विरह में तप रहे प्रेमियों की रूह हमेशा एक ही करार में बंधी रहती है। एक ही महक से महकती रहती है। समूची दुनिया को इस बात का एहसास होता है कि प्रेम जिस्म का नहीं रूह का मोहताज होता है और आत्मिक संबंध कभी टूटा नहीं करते। वह समय की पकड़ से भी बाहर होकर शाश्वत होते हैं। प्रेमी के साथ किसी समंदर के किनारे बैठकर महसूस होने वाला सुकून वहां की हवाओं में नहीं होता, वास्तव में वह तो हवा में घुली प्यार की खुशबू में होता है। कुछ इसी तरह रातों को आसमान निहारने में जो कल्पनाएं जन्म लेती हैं वो किसी प्रेमी की मुहब्बत का ही असर होता है। किताबों में रखे गुलाब से लेकर शीशे में बालों के संवरने तक प्रेमी के प्रेम की तासीर ही होती है। जो दिल में धड़कन पैदा कर देती है। इश्क वह होता है जो एहसास को एक गहरा ठहराव दे। बड़े शायरों और गीतकारों ने ऐसी धड़कन और ठहराव पर जिंदगी गुजार दी है। 1987 में आयी फ़िल्म इजाज़त में गुलजार ने एक गीत लिखा है जो इश्क को समाज की बंदिशों से कहीं दूर एक हसीं मुकाम देता है। इस फिल्म के निर्देशक भी गुलज़ार ही हैं। इसकी भाव-विशेषता के कारण यह नग़मा अज़ीज़ है।

मेरा कुछ सामान... : राहुलदेव बर्मन के विस्मित कर देने वाले संगीत के साथ यह गीत शुरू होता है और उसमें जादू डालती आशा भोंसले की आवाज़ गुलज़ार के बोलों को गाती सुनाई देती है। *मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है , ओ ओ ओ ! सावन के कुछ भीगे भीगे दिन रखे हैं, और मेरे एक खत में लिपटी रात पड़ी है, वो रात भुला दो, मेरा वो सामान लौटा दो , मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है ।* पतझड़ है कुछ ... है ना ? ओ ! पतझड़ में कुछ पत्तों के गिरने की आहट, कानों में एक बार पहन के लौट आई थी, पतझड़ की वो शाख अभी तक कांप रही है, वो शाख गिरा दो, मेरा वो सामान लौटा दो , एक अकेली छतरी में जब आधे आधे भीग रहे थे, आधे सूखे आधे गीले, सुखा तो मैं ले आयी थी, गीला मन शायद बिस्तर के पास पड़ा हो ! , वो भिजवा दो, मेरा वो सामान लौटा दो। एक सौ सोलह चांद की रातें एक तुम्हारे कांधे का तिल । *गीली मेंहदी कि खुशबू, झुठ-मूठ के शिकवे कुछ, झूठ-मूठ के वादे सब याद करा दूँ, सब भिजवा दो, मेरा वो सामान लौटा दो - 2* एक इजाज़त दे दो बस, जब इसको दफ़नाऊँगी, मैं भी वहीं सो जाऊंगी, मैं भी वहीं सो जाऊंगी। गुलजार ने इस गीत के जरिए जिस्म के साथ पल-पल रंग बदलती इस दुनिया में इश्क को जिंदाबाद करार दिया है। गीत को सुनने के बाद कोई भी इश्क को रूह से ही जोड़ेगा। देह से इश्क का कोई संबंध नहीं होता है। गीत बता रहा है कि इश्क की एक अपनी निराली दुनिया होती है। उसका अपना साहस होता है। उसका अपना एहसास होता है। इश्क का ऐसा सच्चा एहसास और साहस दुनिया में हर चीज हासिल कर सकता है। शोहरत, दौलत के अलावा सुकून भी शायद उसी इच्छा का एक हिस्सा है। जिसकी सभी को तलाश होती है। **-साभार**

सुरंगों के संजाल से जख्मी हिमालय

■ जयसिंह रावत

पौराणिक नगरी जोशीमठ के धंसने के कारण तपोवन-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की सुरंग के चर्चा में आने के बाद चारधाम ऑल वेदर सड़क परियोजना की उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा परियोजना की सुरंग सुर्खियों में है। सुरंग के एक हिस्से के धंसने से वहां फंसे 41 मजदूरों की जान संकट में पड़ने के बाद एक बार फिर विश्व की सबसे युवा पर्वतमाला हिमालय में सुरंगों के निर्माण पर सवाल भी उठने लगे हैं। दरअसल, सुरंगों सहित भूमिगत निर्माण में इस तरह के हादसे नई बात नहीं है। अब तो सुरंगों के धंसने और निर्माणाधीन सुरंगों के ऊपर बसी बस्तियों के धंसने की शिकायतें आम हो गयी हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में इस वक्त पौने तीन लाख करोड़ रुपये की लागत की टनल बनाई जा रही हैं।

इसमें दो राय नहीं कि विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमालयी क्षेत्र की जनता को विकास भी चाहिए, तभी उनकी जिन्दगी की परेशानियां कम होंगी और बेहतर जीवन सुलभ होगा। हिमालयवासियों के लिए सड़कें भी चाहिए तो बिजली-पानी और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी। लेकिन पहाड़ों पर सड़कें बनाना तो आसान है, मगर उन सड़कों के निर्माण से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटना उतना आसान नहीं है। तेज ढलान के कारण पन बिजली उत्पादन के लिए हिमालयी क्षेत्रों को सबसे अनुकूल माना जाता है। इसीलिये नीति-नियन्ताओं और योजनाकारों की नजर हिमालय पर पड़ी है। पन बिजली पैदा करने के लिए ग्रेविटी या ढलान की आवश्यकता होती है। मकसद यही कि तेज धार या पानी की भौतिक ऊर्जा से पावर हाउस की टरबाइन चल सकें और फिर बिजली का उत्पादन हो सके। इसके लिए पहाड़ों से बहने वाली नदियां ही सबसे माकूल हैं। इन नदियों का वेग और भौतिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए पानी को तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजारा जाता है जिसके लिए पहाड़ी क्षेत्र ही सबसे अनुकूल होते हैं। मैदानी क्षेत्र में पानी के लिए इतनी ढाल या ग्रेविटी के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र डुबोना होता है। इसलिये अब तक जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक पन बिजली के लिए योजनाकारों ने हिमालयी क्षेत्र को चिन्हित कर रखा है। हिमालय पर सुरंगों का निर्माण शुरू से चर्चा का विषय रहा है। हिमालय के गर्भ को छलनी करने का समर्थन तो पर्यावरणविद?् कर नहीं सकते मगर भूविज्ञानी भी इसमें संयम की सलाह अवश्य देते हैं। वर्तमान में हिमालय पर केवल बिजली परियोजनाओं के लिए नहीं बल्कि यातायात और अन्य गतिविधियों के लिए भी सुरंगों का निर्माण हो रहा है। पहले भूमिगत बिजलीघर बने, लेकिन अब तो पहाड़ी नगरों में ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए भूमिगत पार्किंग भी बनने लगी हैं। राज्य गठन से पहले ही अकेले उत्तराखंड में चारधाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के अलावा लगभग 750 किमी लम्बी सुरंगें विभन्न चरणों में थीं। एनटीपीसी की लगभग 12 किमी लम्बी सुरंग को जोशीमठ के धंसने के लिए पर्यावरणविद?् जिम्मेदार मानते रहे हैं। जोशीमठ के ही सामने चाईं गांव के धसने के लिए 300 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजना की 13 किमी लम्बी सुरंग पर उंगलियां उठती रही हैं। पेशे से इंजीनियर रहे भारत के दूरदृष्टा सिंचाई और ऊर्जा मंत्री रहे के.एल. राव द्वारा देश के जल संसाधनों का सन?् 60 के दशक में व्यापक सर्वेक्षण कराया गया था। उसी सर्वेक्षण के आधार पर भाखड़ा नंगल बांध से लेकर टिहरी बांध जैसी परियोजनाएं शुरू हुई थीं। उसी के आधार पर चिन्हित परियोजनाएं आज विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें कुछ हरित प्राधिकरण द्वारा रोकी भी गयी हैं। इनमें लगभग कुल 750 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। वाडिया इंस्टिट्यूट आफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व निदेशक एनएस विरदी और एक अन्य भू-वैज्ञानिक एके महाजन के एक शोधपत्र के मुताबिक अकेले गंगा बेसिन की प्रस्तावित और निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए 150 किमी लंबी सुरंगें खुद रही हैं या खोदी जा चुकी हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं में से विष्णुप्रयाग प्रोजेक्ट पर 12 किमी सुरंग चल रही है। भागीरथी पर बनने वाली परियोजनाओं में लोहारी नागपाला 13.6 किमी, पाला मनेरी 8.7 किमी व मनेरी भाली द्वितीय में 15.40 किमी लंबी सुरंग शामिल हैं। मनेरी भाली प्रथम में पहले ही 9 किमी लंबी सुरंग काम कर रही है। पन बिजली की इन सुरंगों के अलावा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर 105.47 किमी लम्बी 17 मुख्य सुरंगें बन रही हैं और 98.54 किमी लम्बी स्केप टनल सहित कुल 218 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। दरअसल किसी भी परियोजना में केवल मुख्य सुरंग का ही उल्लेख आता है। जबकि उस मुख्य सुरंग को खोदने और उसका मलबा बाहर निकलने के लिए भी सुरंगें बनानी होती हैं, जिन्हें एडिट भी कहा जाता है। इसी प्रकार चारधाम आल वेदर रोड के लिए भी कुछ सुरंगें बन रही हैं, जिनके निर्माण के लिए भी अन्य सुरंगें बन रही हैं। इसलिये सवाल उठना लाजिमी है कि अगर हिमालय के कच्चे पहाड़ अन्दर से इस तरह छलनी कर दिये जायेंगे तो उसका पर्यावरणीय और अन्य व्यावहारिक असर क्या होगा।

ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के कारण टिहरी, पौड़ी और रुद्रप्रयाग जिलों की कुछ बस्तियों में न केवल मकानों में दरारें आ गयीं बल्कि यहां स्थित सारी गांव में भवन तक ढह गये। अगर भविष्य में इस परियोजना को बदरीनाथ और केदारनाथ तक विस्तार देने का प्रयास होता है तो निश्चित तौर पर इतनी ऊंचाई तक रेल लाइन पहाड़ों के अन्दर ही बनायी जा सकती हैं। क्षेत्र की विशिष्ट भूगर्भीय, भौगोलिक और पर्यावरणीय विशेषताओं के कारण हिमालय में सुरंग निर्माण से कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। दरअसल, हिमालय जटिल भूगर्भीय संरचनाओं वाला एक भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न प्रकार की चट्टानें, भ्रंश रेखाएं और अस्थिर भूभाग शामिल हैं। यहां कठिन चट्टानों, भूस्खलन और भूगर्भीय अस्थिरता के कारण सुरंग बनाने के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। निर्माण कार्य प्रायः अधिक ऊंचाई पर कठिन होता है। कम तापमान, ऑक्सीजन की कमी और कठिन पहुंच जैसी चुनौतियां निर्माण को कठिन बनाती हैं। कठोर चट्टानों में सुरंग बनाने, पानी के प्रवेश का प्रबंधन करने, वेंटिलेशन सुनिश्चित करने और खड़ी चट्टानों में स्थिरता बनाए रखने के लिए उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। हिमालय में भूगर्भीय निर्माण गतिविधियां नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रभाव डाल सकती हैं। मसलन पारिस्थितिकी संतुलन, जल संसाधन और मानव बस्तियों पर प्रभाव डाल कर चिन्ता का विषय बनती हैं। जोखिमों को कम करने के लिए व्यापक योजना, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उन्नत तकनीक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और कुशल जनशक्ति आवश्यक हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। यह उनके अपने विचार हैं।

मतगणना स्थल का कलेक्टर व एसपी ने किया निरीक्षण

मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने आज शासकीय आईटीआई कॉलेज पहुँचकर विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत आगामी 3 दिसंबर को जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने मतगणना स्थल पर मतगणना कर्मचारियों,मतगणना अभिकर्ता एवं अभ्यर्थियों के प्रवेश,वाहन पार्किंग व्यवस्थाओ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों को भी देखा। उन्होंने मतगणना टेबिल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही मतगणना स्थल परिसर में रूके हुए निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा सीसीटीवी के माध्यम से कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनीटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि विधानसभा निर्वाचन की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8ः30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। उन्होंने मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएँ सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत , अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, एडिशनल एसपी आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व नगरपालिका परिषद ने कंदेली नदी पर स्टाप डेम बनाकर पेडिस्टाल बोट चलाने की बात कही थी

50 हजार की आबादी वाले नगर को पेयजल आपूर्ति करने वाली कंदेली नदी, नाले में बदली

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर के बीचों बीच से बहने वाली कंदेली नदी के हाल बेहाल है । कंदेली नदी कहने को तो जंगलों में से निकलती है और अपने साथ शुध्द और साफ पानी लेकर आती है परन्तु देखरेख के अभाव में अब कुछ ही हिस्से में यह नदी लगती है। ज्यादातर हिस्सा तो नाले में बदल चुका है या फिर सूखा नजर आता है। पूर्व नगर पालिका परिषद ने पुल तक स्टाप डेम बनाकर और कंदेली सौंदर्यीकरण के बाद पेडिस्टरल बोट चलाने की बात कही थी किन्तु परिषद बदलने के साथ ही स्थिति भी बदल गई ।

यही कंदेली नदी है जिसके किनारे नलकूप और एक मात्र पानी की टंकी से करीब 50 हजार की आवादी सिवनी मालवा नगर की जनता की प्या?स बुझाया करती थी । लेकिन समय मान से अब नर्मदा नदी से पेयजल की व्यवस्था की गई है । बदलते समय मान से जगह-जगह जल स्त्रोतों के कारण अस्तित्व में आई इस कंदेली नदी में जब कचरा फेंके जाने लगा तो ये स्त्रोत बंद होते चले गए और यह सूखती चली गई। नतीजा यह हुआ कि नदी के सूखे हुए हिस्सों पर लोगों ने कब्जा कर लिया । कभी पूरे नगर को पीने का पानी उपलब्ध कराने वाली कंदेली नदी आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है ।

सतपुड़ा के जंगली क्षेत्र से निकलकर नगर के बीच से बहने वाली नदी अपनी निर्मल धारा के रूप में पहचान रखती थी आज वही कंदेली नदी अपने अस्तिव को लगभग खो चुकी है। सिवनी मालवा तहसील के पिपलिया के पास खारी खेड़ा के पास इसका उद्गम स्थल माना जाता है, क्योंकि इससे पहले इस नदी का कहीं भी अस्तिव सामने नहीं आता है। इस नदी की सबसे खास बात यह है कि इसके खुद के कई प्राकृतिक जलस्त्रोत थे, जिसकी वजह से इसमें पानी हमेशा बहता रहता था।

आपको बता दें की सिवनी मालवा क्षेत्र से निकलने वाली मुख्य नदियाँ हथेड़ (हत्याहरनी) खारदी, चांदनी, इन्द्रावती (इन्दना) कंदेली, मोरन और गंजाल ये हैं कंदेली नदी सिवनी मालवा तहसील के ग्राम खारीखेड़ा के पास एक पनाल नामक जगह से निकलती है। कंदेली नदी ग्राम ढांडीवाड़ा, बैंगनिया और जमानी के बीच से बहती हुई ग्राम खरार के बाद सिवनी मालवा नगर में प्रवेश करती है। सिवनी मालवा के प्रवेश के साथ ही 4 स्थानों से गन्दा पानी नदी में मिलता है।

नगर से निकलकर कंदेली नदी उपनगरी बानापुरा के बाहर से होते हुए ग्राम चतरखेड़ा के पास से दमाड़ीया की और मुड़ जाती है। इसके बाद ग्राम हरसूल के पास इन्द्रावती नदी में मिल जाती है। कंदेली नदी एक मात्र ऐसी नदी है जिसने नगर को पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराई है। लेकिन आज वही कंदेली नदी प्रशासन की उपेक्षा का शिकार होकर गंदे नाले के रूप में बदल गई है कंदेली नदी के सौन्दर्यीकरण के लिए नगर पालिका की और से लाखों रुपया सौन्दर्यीकरण के नाम से निकाला जाता है। लेकिन कंदेली नदी की दुर्दशा लगातार बढ़ती जा रही है। उद्गम स्थल के पास से नदी का पानी बहुत ही साफ़ है परन्तु गाँवों से निकलते ही अब अधिकांश जगहों पर नाले का रूप ले चुकी है, तो कहीं-कहीं तो यह स्थिति है कि यह नदी बिल्कुल गायब ही दिखती है।

इनका कहना है

लगातार नागरिकों की मांग और नगर के सौंदर्यीकरण के लिए हम कंदेली नदी के सौंदर्यीकरण पर ध्यान दे रहे हैं । इसी क्रम में हम सीवेज के पानी के लिए ट्रीटमेंट प्लांट के लिए सर्वे करा रहे हैं, सर्वे चल रहा है 2-4 महिने में परिषद किसी निर्णय की स्थिति में आ सकती है ।

रितेष जैन, नपा अध्यक्ष, नगरपालिका सिवनी मालवा ।

पूरे नगर का गंदा पानी मिल रहा है कंदेली नदी में

अलग अलग नालों के माध्यम पूरे नगर के सीवेज का पानी नाली और नालों के माध्यम से आकर कंदेली नदी में मिल रहा है । सफाई की अव्यवस्था और गंदे नालों का पानी कंदेली नदी में मिलने के कारण पानी से बदबू आ रही है । ट्रीटमेंट प्लांट लगवाने नागरिक भी समय समय ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए नगर पालिका से मांग कर चुकी है ।

मुख्यमंत्री की घोषणा भी अधूरी रह गई

पिछले वर्ष 08 जुलाई को नगर पालिका चुनाव की एक सभा को सम्बोधित करने प्रदेश के मुख्यामंत्री शिवराजसिंह चौहान आये थे उन्होंने विधायक प्रेमशंकर वर्मा की मांग पर कंदेली नदी पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की घोषणा की थी अनेक बार घोषणा याद दिलाने के बाद भी यह योजना लागू नहीं गई ।

बिना सीट बेल्ट लगाए कार चालकों पर जुर्माना, 21 चालान से 15000 वसूले

नर्मदापुरम। शनिवार को उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार आरटीओ श्रीमती निशा चौहान के साथ परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा माखननगर मार्ग तथा हरदा मार्ग पर बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चालकों के विरुद्ध चलानी कार्यवाही की गई तथा आगे से अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने की हिदायत सभी वाहन चालकों को दी गई, जांच के दौरान 55 वाहनों की जांच में 21 वाहन चालकों को बिना सीट बेल्ट लगाए पाए जाने पर 15000 रुपए की कुल चालानी कार्यवाही की गई, साथ ही बांद्राभान मेले में पहुंच रहे वाहनों को ओवरलोडिंग न करने तथा अधिक किराया न लेने के लिए आरटीओ अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है। साथ ही बांद्राभान मेले की ओर जाने वाले मार्ग पर जगह - जगह किराया सूची के बैनर को लगाकर निर्धारित किराए की जानकारी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है, जिन वाहनों के द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया जाएगा, उन वाहनों के खिलाफ चालानी व जप्ती की कार्यवाही की जाएगी, आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान ने बताया कि परिवहन विभाग के जांच दल के द्वारा लगातार बांद्राभान मेले मार्ग पर गस्त करते हुए वाहनों की जांच की जाएगी।

एनसीसी दिवस के उपलक्ष में दो दिवसीय आयोजन संपन्न

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को सुदृढ़ और चरित्र को निखारता है एनसीसी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

कुसुम कॉलेज में 75 वा एनसीसी दिवस उत्साहपूर्वक बनाया गया । एनसीसी दिवस के उपलक्ष में लगातार दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी के साथ परेड में कैडेटों ने शानदार प्रदर्शन कर किया । जिन्हें महाविद्यालय के प्राचार्य में पारितोषिक वितरण किये ।

एनसीसी दिवस के दो दिवसीय आयोजन का

शनिवार को समापन हुआ । प्रथम दिवस पर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट के द्वारा महाविद्यालय परिसर में फल और छायादार पौधों का रोपण किया इसी के साथ महाविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए प्राचार्य ऐ.के.यादव द्वारा कैडेट को संकल्प दिलाया गया ।

द्वितीय दिवस में महाविद्यालय के परेड ग्राउंड पर क्रेडिट के द्वारा परेड का प्रदर्शन किया । साथ ही बेस्ट परेड कंपटीशन एवं बेस्ट पायलट प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीनियर अंडर ऑफिसर अमर के ग्रुप ने जीता । इसी प्रकार बेस्ट पायलट का अवार्ड अंडर ऑफिसर पायल एवं कुमकुम ने प्राप्त किया । इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बेस्ट कैडेट के अवार्ड कैडेट प्रदीप मेहरा एवं क्रेडिट सृष्टि मालवी ने प्राप्त किया इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम महाविद्यालय के एनसीसी केडेटो के द्वारा प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर ऐ,के,यादव के द्वारा महाविद्यालय के गर्ल्स एवं छात्र क्रेडिट को एनसीसी दिवस की शुभकामना दी गई तथा भविष्य में अच्छे पदों पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने एकता और अनुशासन के आदर्श वाक्य को अपने जीवन में उतारने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित किया उन्होंने एनसीसी क्रेडिट को सीख देते हुए कहा कि एनसीसी कैडेट के व्यक्तित्व को शुगर शुगर और चरित्र को निखारता है । उन्होंने देश की सेवा में तत्पर रहने के लिए हमेशा अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी डॉक्टर सुनील सोनी द्वारा एनसीसी की गतिविधियों का वाचन किया गया एवं एनसीसी अधिकारी जया कैथवास के द्वारा सभी आगंतुक अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम में लगभग 150 छात्र छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इस अवसर पर सभी महाविद्यालय परिवार एवं स्टाफ उपस्थित रहा ।

आश्रम में सामूहिक सत्संग, अनुष्ठान एवं जप उत्सव मनाया

शिक्षा स्वास्थ्य और आध्यात्मिक संकल्प के साथ सामूहिक एकादशी उत्सव संपन्न

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

ग्राम बुनडारा कला में स्थित रावतपुरा सरकार आश्रम में इस वर्ष भी एकादशी महापर्व और देवउठनी ग्यारस का महापर्व सामूहिक सत्संग अनुष्ठान एवं जप उत्सव शिक्षा स्वास्थ्य और आध्यात्मिक के संकल्प के साथ मनाया गया ।

धार्मिक आयोजन के क्रम में देव उठनी एकादशी के पर्व पर आश्रम परिसर में सामूहिक माँ नर्मदा अष्टक , श्री हनुमान चालीसा एवं जप मंत्रो का पाठ उत्सव मनाया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेकों ग्रामों सोमलवाड़ा , मिसरोद् , सैल , खोकसर , कांद्राखेड़ी , पतलइकला, थुआ, जाट गुराड़िया के साथ साथ नर्मदापुरम मुख्यालय , इटारसी पथरोटा आदि आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तों ने आयोजन के साथ-साथ शिक्षा स्वास्थ्य और आध्यात्मिक रुचि का संकल्प लिया । आश्रम सेवक नर्मदा परिक्रमावासी धीरज सुधाकर गौर ने बताया की इस पावन उपलक्ष्य में संचालक समाजसेवी सुधाकर गौर द्वारा बड़ी संख्या में भक्तों को संत शिरोमणि रावतपुरा सरकार के फोटों फ्रेम भेंट किये गये। इस आयोजन में संत दुर्गानंद स्कूल के छात्रों की भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह और विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कृति और आध्यात्मिक पर उपदेश दिये साथ ही संकल्प दिलाया । आध्यात्मिक अनुष्ठान के पश्चात विशेष रूप से बड़ी संख्या में आश्रम परिसर में मंत्रों के उच्चारण के साथ वृक्षारोपण भी किया गया। धीरज सुधाकर गौर ने बताया की आगामी प्रत्येक माह की दूसरी एकादशी को यह सत्संग अनुष्ठान समूचे क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगा । आयोजन में मुख्य रूप से सुधाकर गौर, अवधेश तिवारी कक्काजी, अशोक पालीवाल , सुनील दुबे, प्रहलाद गुर्जर , रामविलास यादव, मनोज खोदडे , ओमप्रकाश लोवंशी, ओमप्रकाश यदुवंशी , अशोक गौर , दामोदर गौर , मंजूलता विनोद गौर , जाग्रति गौर , किरण गौर , अक्षय गौर , आनंद गौर , देवेंद्र गौर सहित बड़ी संख्या में श्री रावतपुरा सरकार के भक्त उपस्थित रहे ।

मेट्रो एंकर

प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन अवधि में व्यय खर्च का ब्यौरा दर्ज कराया जा रहा है

भाजपा ने 18, कांग्रेस ने 25 लाख खर्च किए

विदिशा, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले की पांचो विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थियों के द्वारा निर्वाचन अवधि में प्रचार प्रसार हेतु किए गए व्यय का ब्यौरा की जानकारियां निर्धारित प्रपत्रों सह पंजियों में अंकित कर जमा की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि जिले की पांचो विधानसभाओं में चुनाव लड़ रहे 46 अभ्यर्थियों द्वारा 15 नवम्बर 2023 तक विभिन्न माध्यम से प्रचार-प्रसार पर कुल व्यय खर्च की जानकारी दी है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने विधानसभावार जानकारी देते हुए बताया कि विदिशा विधानसभा क्षेत्र 144 अंतर्गत 15 नवंबर तक बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी द्वारका प्रसाद धाकड़ द्वारा 195305 रूपए, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मुकेश टंडन के द्वारा 1895733 रुपए व्यय खर्च किया गया है। इंडियन नेशनल कांग्रेस दल के प्रत्याशी शशांक भार्गव के द्वारा 2580050 रुपये, राष्ट्रीय प्रतिभा पार्टी के प्रत्याशी संजय प्रभाकर के द्वारा 5500 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों में से कंछेदी लाल के द्वारा 10500, दिलीप कुशवाह के द्वारा 17906, मोकम सिंह पंथी के द्वारा 7900, रामदयाल कोरी के द्वारा 5500, सत्येंद्र सिंह सिसौदिया के द्वारा 334846 तथा संजय सैनी के द्वारा 171749 रुपए उल्लेखित निर्वाचन व्यय अवधि में प्रचार प्रसार में किया गया है।

बासौदा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 अंतर्गत अभ्यर्थियों द्वारा प्रचार-प्रसार पर व्यय की गई राशि तदानुसार इंडियन नेशनल कांग्रेस दल के प्रत्याशी निशंक कुमार जैन के द्वारा 2053082, भारतीय जनता पार्टी दल के प्रत्याशी हरि सिंह रघुवंशी के द्वारा 1896680, वास्तविक भारत पार्टी दल के प्रत्याशी अशोक कुमार कुशवाह के द्वारा 1037795, बहुजन समाज पार्टी की प्रत्याशी रुकसाद बी के द्वारा 291879, जन अधिकार पार्टी दल के प्रत्याशी मोकम सिंह कुशवाह के द्वारा 139490 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों निर्वेश मीना के द्वारा 1281495 एवं चुन्नीलाल कुशवाह के द्वारा 10250 रुपए का व्यय खर्च निर्वाचन अवधि में प्रचार प्रसार हेतु किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 146 कुरवाई (अजा) अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी दल के प्रत्याशी हरिसिंह सप्रे द्वारा 2066581, इंडियन नेशनल कांग्रेस दल की प्रत्याशी रानी अहिरवार द्वारा 1077626, बहुजन समाज पार्टी दल के प्रत्याशी जानकी प्रसाद अहिरवार द्वारा 371340 तथा निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार ठेकेदार के द्वारा 52325 रुपए का व्यय खर्च निर्वाचन अवधि में प्रचार-प्रसार के लिए किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज अंतर्गत सपाक्स पार्टी के प्रत्याशी अखिलेश जैन के द्वारा 121820, निर्दलीय प्रत्याशी मनोज कुशवाह के द्वारा 11000, आम आदमी पार्टी दल के प्रत्याशी इसम सिंह मौर्य के द्वारा 554924, निर्दलीय प्रत्याशी संदीप अहिरवार के द्वारा 11500, समाजवादी पार्टी दल के प्रत्याशी असलम गौरी के द्वारा 406816, आजाद समाज पार्टी दल के प्रत्याशी गब्बर सिंह के द्वारा 419931, निर्दलीय प्रत्याशी पूरन सिंह के द्वारा 6500, नेशनल वर्ल्ड लीडर पार्टी दल के प्रत्याशी कप्तान सिंह यादव के द्वारा 196040, बहुजन समाज पार्टी दल के प्रत्याशी तोषमनी पंथी के द्वारा 519950, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के द्वारा 1560697, इंडियन नेशनल कांग्रेस दल के प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के द्वारा 1854198, निर्दलीय प्रत्याशी फूल सिंह के द्वारा 6500, निर्दलीय प्रत्याशी हेमंत सिंह के द्वारा 71740 तथा निर्दलीय प्रत्याशी लक्ष्मीनारायण के द्वारा 310796 रुपए का व्यय खर्च प्रचार-प्रचार के लिए निर्वाचन अवधि में किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद अंतर्गत इंडियन नेशनल कांग्रेस दल के प्रत्याशी सिंधु विक्रम सिंह के द्वारा 1096569, भारतीय जनता पार्टी दल के प्रत्याशी सूर्यप्रकाश मीणा के द्वारा 1586127, अकरम भाई के द्वारा 158100, राहुल राज के द्वारा 143860, जसवंत सिंह के द्वारा 41600, काशीराम के द्वारा 53360, माखन सिंह के द्वारा 125680, बहुजन समाज पार्टी दल के प्रत्याशी महाराज सिंह के द्वारा 213652, राजकुमारी मांझी के द्वारा 324900, शिशुपाल यादव के द्वारा 192400 का व्यय खर्च निर्वाचन अवधि में प्रचार-प्रसार के लिए किया गया है।

नपा की भूमि पर गुमठियां रखवाकर हजारों रूपये महीने की किराया वसूली

पुराने बस स्टेण्ड पोस्ट आफिस के पास दबंगों का अतिक्रमण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्थानीय पुराना बस स्टैण्ड पर स्थित पोस्ट आफिस के दोनो प्रवेश द्वार इस समय भारी अतिक्रमण की चपेट में है जिस ओर न तो पोस्ट आफिस के जिम्मेदार ध्यान दे रहे है और न ही स्थानीय प्रशासन । जिसके चलते खासकर पोस्ट आफिस आने जाने वालों को तो परेशानी का सामना करना ही पड़ता है साथ ही इस मार्ग से आने जाने वाले लोग भी परेशान है इस अतिक्रमण के कारण आए दिन यहां जाम की स्थिती पैदा होती है ।

गौरतलब है कि वार्ड न 5 में स्थित पोस्ट आफिस के दोनो प्रवेश द्धार पर स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 5 फिट की गुमठियॉ रखली गई है ओर गुमठीयों के आगे हाथ ठेले लगाए लिए है जिसके चलते पोस्ट आफिस की दीवार से लगी सड़क पर लगभग 10 फिट अतिक्रमण एक ओर हो गया है तो वही सड़क की दूसरी ओर भी हाथ ठेले खड़े होने के कारण मुख्य सड़क मात्र चंद फिट कि नज़र आ रही है इस अतिक्रमण के कारण लोगो का इस मार्ग से निकलना दूभर हो गया है।

यदि बात इस मार्ग पर निकलने वाले वाहनों की करें तो पहले यहां से चार पहिया वाहन आसानी से निकल जाते थे परंतु अब दोनो ओर हुए अतिक्रमण के कारण मात्र दो पहिया वाहन ही बड़ी परेशानी से निकलते है इसके अलावा यदि महिलाओं की बात करें तो इस मार्ग पर चाय की गुमठियों द्वारा रोड पर कुर्सिया रख देने के कारण महिलाओं का यहां से निकलना परेषानी का सबब बन गया है।

गौरतलब है कि पूर्व हुई शांति समिति की बैठक में स्थानीय लोगों ने अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज को भी इस अतिक्रमण से अवगत कराया था परंतु सरकारी रोड पर अवैध रूप से गुमठियॉ और उनके आगे लगे हाथ ठेलो के अतिक्रमण पर अब तक माननीय मौन है इसके अलावा नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी प्रेस द्वारा इस बात से अवगत कराया जा चुका है परंतु जनहित के लिए होने वाले इस कार्य में आज तक नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारीयों ने भी अपनी जिम्मेदारी नही समझी इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ से फोन पर चर्चा करना चाही तो उनके द्वारा फोन रीसीव नही किया गया।

नगर एवं ग्रामीण मंडलो के बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक में विधायक शर्मा ने जताया आभार

सफलता तब मिलती है जब कार्यकर्ता अपनी जीवटता लगाता है हमारी जीत तय है : शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा की चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न ही जाने के उपरांत भारतीय जनता पार्टी संगठन के कार्यकर्ताओं की मंडलवार बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में विधायक प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने मतदान केंद्रों पर सक्रिय रूप से भागीदारी करने वाले सेक्टर प्रभारियों, मंडल कार्यकारिणी, बूथ कार्यकर्ताओं संवाद करते हुए भाजपा के पक्ष में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से काम करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

भाजपा नगर मंडल एवं ग्रामीण के चितावर व देवपुर मंडल के बूथ कार्यकर्ताओं एवं मंडल के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जब खून पसीना और अपनी जीवटता लगाता है तो ऐसी ही सफलता मिलती है। एक विधानसभा स्तर पर आप सबके प्रयासों से ऐसी सफल अमित शाह की सभा हुई वह अनुकरणीय है। मतदान के एक दिन पहले से दिन- रात और फिर दिन भर मतदान हो जाने तक समाज के सभी आयुवर्ग के युवा और बुजुर्ग कार्यकर्ताओ ने परिश्रम की पराकाष्ठा करके दिखाई है। इस चुनाव में पहली बार काफी संख्या में नए मतदाताओं ने भी उत्साह के साथ वोट डाला।

भाजपा के हम सभी विचारधारा के लिए जीने वाले कार्यकर्ता हैं। राष्ट्र का हित हम सबके लिए पहले है। कही न कही इस चुनाव में भी स्वर्गवासी लक्ष्मीकांत शर्मा ने भी चुनाव लड़ा है और क्षेत्र की जनता ने उनके चरणों मे भी वोट रूपी एक छोटी भी अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। लक्ष्मीकांत जी सदैव कहते थे यह सिरोंज लटेरी मेरा मंदिर है यहां कि जनता जनार्दन मेरी भगवान है और मेरे कार्यकर्ताओ तो देव दुर्लभ कार्यकर्ता हैं। हम उनके लिए सदैव प्रण प्राण से सेवा करते रहेंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान करते हुए कहा कि जब तक हम सब ओर हमारी संताने जिंदा है तब तक विदिशा जिले की धरती से उनका नाम खत्म नही होना चाहिए।

कार्यकर्ताओं की मेहनत को आत्मविश्वास देते हुए हम चुनाव जीतेंगे दम से जीतेंगे ओर यह जीत सिरोंज लटेरी के एक एक कार्यकर्ता के खून पसीने की मेहनत की जीत होगी। हमें भारत तेरे टुकड़े होंगे कहने वालों की नही बल्कि वीर हमीद जैसे देशभक्त नागरिक चाहिए। देश की एकता और अखंडता के लिए हमें आने वाले दस पंद्रह सालों तक देश मे भाजपा सरकारों तथा नरेंद्र मोदी जैसे नेतृत्व की जरूरत है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रमेश यादव, डॉ पीके विश्वास माथुर, हरिबाबू भार्गव, सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सरकार मंदिर पर हुआ नगर ब्राह्मण भोज, आकाशदीप दान भी हुआ

सरोंज। नगर के सिद्ध चौतन्य दरबार मदन मोहन सरकार मंदिर पर कार्तिक महोत्सव के तहत प्रतिदिन धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहे हैं। इसी क्रम में सरकार के दरबार में मनोकामना पूर्ण होने पर भक्तों के द्वारा नगर ब्राह्मण भोज का आयोजन भी कराया जाता है। नगर ब्राह्मण भोज का आयोजन हुआ इसमें शहर तथा आसपास के ब्राह्मण में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की।वहीं सरकार को आकाशदीप दान भी भक्तों के द्वारा किया पंडित नवनीत महाराज ने बताया कि कार्तिक महोत्सव में आकाशदीप दान का विशेष महत्व बताया गया है विधि विधान से पूजा के बाद आकाशदीप दान करने से भगवान विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं। भगवान की कृपा से ही भक्तों के सारे काम बनते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

स्ट्रांग रूम का प्रतिदिन किया जा रहा है दो बार निरीक्षण

विदिशा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुपालन तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए बनाए गए स्ट्रांगरूम जहां मतदान के उपरांत ईव्हीएम मशीनो को सुरक्षित रूप से रखा गया है। इन स्ट्रांगरूमो का कलेक्टर व रिटर्निंग आफीसरो को हर रोज दो बार निरीक्षण करने के निर्देश आयोग द्वारा प्रसारित किए गए है। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने शनिवार की सायंकाल विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में पहुंचकर निरीक्षण किया है। महाविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार क समीप मीडिया प्रकोष्ठ के लिए किए जा रहे प्रबंधो का भी कलेक्टर श्री भार्गव ने निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए है।

परवेज कुरैशी को नियुक्त किया जिला कांग्रेस महामंत्री

सिरोंज। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश से सिरोंज के कांग्रेस कार्यकर्ता परवेज कुरैशी को विदिशा जिले का जिला महामंत्री बनाया गया जिस पर सभी मिलने वालों ने बधाइयाँ दी हैं।

मेट्रो एंकर

कार्तिक महोत्सव के अंतर्गत हरिहर मिलन यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली

हरि का हर से हुआ मिलन, धूमधाम से निकली यात्रा, पूजा अर्चना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पंचकुइयों घाट पर परंपरा अनुसार कार्तिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। कार्तिक मास में पंडित नलिनीकांत शर्मा के मार्गदर्शन मे कार्तिक महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को हरिहर मिलन यात्रा का निकला बड़े ही धूमधाम से निकली गई । भगवान हरिहर से मिलन के लिए निकले और शोभायात्रा बाजार में पहुंची जहां पर विभिन्न समाज एवं समाजसेवी संगठनों ने पूजा अर्चना करके स्वागत की मनमोहक दृश्य को देखने के लिए भक्तों की भीड़ लगी हुई थी फिर हरि का हर से मिलन हुआ आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया। कार्तिक मास में प्रतिदिन त्रिपुर सुंदरी घाट पर होने वाले नित्य संध्या आरती उपरांत पालकी में विराजे भगवान शिव को लेकर यह यात्रा धूमधाम से भगवान मदन मोहन सरकार के दरबार मे भगवान विष्णु से मिलन के लिए प्रारंभ हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद थे।

सर्दी के मौसम में अपने आपको रखें सेहतमंद, ताकि न होना पड़े बीमार

सर्दियों शुरू हो चुकी हैं, जिससे दिन और भी छोटे हो गए हैं। सूरज की रोशनी तो गायब ही हो गई है। ऐसे में शरीर का आलसी होना आम बात है। हम सर्दियों में यह महसूस करते हैं कि हमारा शरीर आलसी हो गया है। हमारा सुबह बिस्तर से उठने का बिल्कुल भी मन नहीं करता है। 8 घंटे की नींद भी कम महसूस होती है। सर्दियों में सुस्ती को दूर करने का इलाज बादाम और खजूर की स्मूदी है। बादाम और खजूर की स्मूदी पीने से आलस को दूर किया जा सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि थकान को दूर करने के लिए आप बादाम और खजूर की स्मूदी बना सकते हैं। यह पीने जितनी स्वादिष्ट होती है उतनी ही फायदेमंद भी होती है। सर्दियों में तापमान कम होता है, जिस वजह से ब्लड सर्कुलेशन ठीक से नहीं हो पाता है। खजूर और बादाम की स्मूदी ब्लड सर्कुलेशन सही कर देता है।

खजूर और बादाम को पीने से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ जाता है। खजूर और बादाम में आयरन की मात्रा बहुत होती है। हिमोग्लोबिन ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करता है, जिससे आप एनर्जी मिलती है। स्मूदी को पीने से आपको पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आप कुछ भी खराब खाने से बच जाते हैं। यह आपके शरीर को हाइड्रेशन करती है। हम सर्दियों में तेल की चीजें बहुत खाते हैं, जिससे पेट भर जाता है। ऐसा करने से हमें दिन भर आलस आता है। **ऐसे बनाएं:** बादाम और खजूर की स्मूदी 10 से 15 बादाम लेकर पानी में रात भर भिगाकर रख दें। 2 खजूर को भी रात भर भिगाकर रख दें। बादाम और खजूर को ग्राइंडर में पीस कर स्मूद बना लें।

सर्दी में हो बीमारी से परेशान, तो जाने कैसे करें उपचार...

सर्दियों के मौसम में गर्मी से राहत मिलने के कारण लोगों को पसंद आता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा बीमार पड़ते हैं। सर्दियों में ठंडा वातावरण होता, जिससे शरीर का तापमान गिर जाता है। शरीर को तापमान को एडजस्ट करने में परेशानी होती है, इसलिए इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। सर्दियों के मौसम में होने वाली दिक्कतों को समझते हैं।

ठंड के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस एक्टिव होते हैं, जिससे संक्रमण के होने की संभावना बढ़ जाती हैं। हमारी इम्यूनिटी भी सर्दियों में गिरने लगती है। इसी कारण वायरस का हम पर हमला आसान हो जाता है।
बचाव– इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए अदरक की चाय, हल्दी वाला दूध, स्टीम, तुलसी का काढ़े से मदद ले सकते हैं इम्यूनिटी को बूस्ट होने से सर्दी में राहत मिल जाती है।
गठिया: सर्दियों में धूप न लेने की वजह से विटामिन डी शरीर में कम हो जाता है। विटामिन डी की कमी होने की वजह से जोड़ों का दर्द होने लगता है। ठंड और नमी होने की वजह से भी गठिया की परेशानी जाती है।
बचाव– एक्सरसाइज करें, ऐसा भोजन करें जिसमें विटामिन डी हो, हाइड्रेटेड रहें
कब्ज: सर्दियों के मौसम में कब्ज की समस्या बहुत आम होती है। कब्ज की समस्या खराब खाना और एक्सरसाइज के न करने से होती है। सर्दियों में फाइबर युक्त भोजन करें, एक्सरसाइज करें और खूब पानी पिएं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज

भारत आज बढ़त को दोगुना करने के इरादे से उतरेगा

चेन्नई, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच शाम 7 बजे से शुरू होगा। टॉस शाम 6.30 बजे होगा। भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। भारत आज इस बढ़त को दोगुना करने के इरादे से उतरेगा, जबकि कंगारू टीम की कोशिश कमबैक करने की होगी।

यदि भारत आज का मैच जीत जाता है, तो उसकी ऑस्ट्रेलिया पर लगातार चौथी टी-20 जीत होगी। भारत यह मैच जीत जाता है तो उसकी टी-20 में लगातार छठी जीत होगी। टीम पिछले छह मैच से अजेय है। मेजबान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक टी-20 फॉर्मेट में कुल 10 सीरीज खेली गई हैं। इसमें पांच भारत जीता और 2 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है।

सूर्याकुमार यादव भारत की ओर से टॉप रन स्कोरर

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 नवंबर 2023 को विशाखापट्टनम में खेला गया था। इस मैच में भारत को दो विकेट से जीत मिली थी। उस मुकाबले में टीम इंडिया के रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने 80 रन की पारी खेली थी। सूर्या भारत की ओर से इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। इस साल टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भी सूर्या टॉप पर हैं। वहीं गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा का परफॉर्मेंस शानदार रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए इस सीरीज में इंग्लिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए

ऑस्ट्रेलियाई टीम आज के मैच में अपना टीम कॉम्बिनेशन चेंज कर सकती है। टीम दूसरे मैच में आज उन खिलाड़ियों को मौका दे सकती है, जो वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे, लेकिन पहले मैच में नहीं खेले थे। टीम ने पहले मैच में ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड और एडम जम्पा को आराम दी थी। इस मैच में उनकी वापसी हो सकती है। इस सीरीज में कंगारू टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन जोश इंग्लिस के नाम है। वहीं गेंदबाजी में तनवीर सांघा ने सबसे जायदा दो विकेट लिए हैं।

पिच रिपोर्ट: तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम का विकेट हमेशा से गेंदबाजी के लिए मददगार रहा है। खासकर यहां पर स्पिनर्स को ज्यादा मदद मिलती है। यहां कुल 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 1 और बाद में बैटिंग करने वाली टीम ने 2 मैच जीते हैं। इस मैदान का टीम हाईएस्ट स्कोर 173 रन है, जो वेस्टइंडीज ने 2019 में भारत के खिलाफ बनाया था। इस मैदान पर भारत और ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी-20 में आमने-सामने होंगे।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11: भारत– सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड, ईशान किशन, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार। **ऑस्ट्रेलिया–** मैथ्यू वेड (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीव स्मिथ, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस, आरोन हार्डी, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, शॉन एबट, नाथन एलिस, जेसन बेहरेनडोर्फ और तनवीर सांघा।

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने चाइनीज जोड़ी को उसी के घर में हराया, फाइनल आज

शेन्जेन, एजेंसी

सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की भारतीय मेंस डबल्स पेयर ने चाइना मास्टर्स 750 टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया हैं। भारतीय जोड़ी ने जी टिंग और रेन जियांग यू के चीनी जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 22-20 से हराया। यह मुकाबला 50 मिनट तक चला। फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। सात्विक-चिराग की जोड़ी इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का चौथा फाइनल खेलेगी।

एकतरफा रहा पहला गेम, दूसरे में कांटे की टक्कर

सेमीफाइनल मुकाबले का पहला गेम एकतरफा रहा। इसे भारतीय जोड़ी ने 21-15 के अंतर से जीत लिया। मुकाबले के दूसरे गेम को जीतने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को पसीना बहाना पड़ा। इसमें दोनों पेयर्स के बीच दमदार कॉन्टेस्ट देखने को मिला। दोनों पेयर 5 दफा बराबरी पर आए, लेकिन आखिरी में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दो पॉइंट्स लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया की लियो रोली कार्नान्डो और डेनियल मार्थिन को 21-16 21-14 से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

पाकिस्तान के इमाद ने लिया संन्यास

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के स्पिन-ऑलराउंडर इमाद वसीम ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। 34 साल के खिलाड़ी ने पाकिस्तान के लिए अब तक 55 वनडे और 66 टी-20 मुकाबले खेले। इमाद को टेस्ट स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। इमाद ने 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 और उसी साल श्रीलंका के खिलाफ वनडे में डेब्यू किए थे। उनका इंटरनेशनल क्रिकेट करियर आठ साल का रहा।

मेट्रो एंकर भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान, उदय सहारन को सौंपी कप्तानी

जूनियर एशिया कप 8 दिसंबर से खेला जाएगा

मुंबई, एजेंसी

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। जूनियर सिलेक्शन कमेटी ने उदय सहारन को कप्तान चुना गया है। टूर्नामेंट 8 दिसंबर से यूएई में खेला जाएगा। भारतीय दल में 15 चयनित खिलाड़ियों के अलावा, 3 स्टैंडबाय प्लेयर्स को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, 4 एक्स्ट्रा रिजर्व प्लेयर्स भी हैं। रिजर्व खिलाड़ी टीम के साथ यूएई नहीं जाएंगे। एशिया कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट 50 ओवर फॉर्मेट में होगा। इस बार खिताबी जंग में जापान पहली बार उतरेगा। 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा।

उदय सहारन कप्तान, सौम्य वाइस कैप्टन

पंजाब के उदय सहारन को टीम की कप्तानी सौपी गई है। वहीं, मध्यप्रदेश के सौम्य पांडे टीम के उपकप्तान रहेंगे। चयन समिती ने देशभर से टैलेंट चुने है। इसमें से महाराष्ट्र से दो और हैदराबाद से दो खिलाड़ी हैं। दूसरे राज्यों से एक-एक खिलाड़ी शामिल है।

8 दिसंबर से अंडर-19 एशिया कप

एशिया कप 8 दिसंबर को शुरू होगा, जिसमें भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा और फाइनल 17 दिसंबर को खेला जाएगा। भारत 10 दिसंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा और फिर 12 दिसंबर को नेपाल से भिड़ेगा।

भारत डिफेंडिंग चैंपियन

आखिरी बार टूर्नामेंट 2021 में खेला गया था। इसमें फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को हरा कर ट्रॉफी जीती थी। पिछली बार भी 8 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन इस बार कुवैत की जगह जापान ने क्वालिफाई किया है।

एशिया कप के लिए भारत का अंडर-19 स्क्वाड

स्वाड– अर्शिन कुलकर्णी (महाराष्ट्र), आदर्श सिंह (उत्तर प्रदेश), रूद्र मयूर पटेल (गुजरात), सचिन दास (महाराष्ट्र), प्रियांशु मोलिया(बड़ौदा), मुशीर खान (मुंबई), उदय सहारन (कप्तान) (पंजाब), अरवेल्ली अवनीश राव (हैदराबाद), सौम्य कुमार पांडे (वीसी) (मध्य प्रदेश), मुरुगन अभिषेक (हैदराबाद) इन्नेश महाजन (डब्ल्यू)(हिमाचल प्रदेश), धनुष गौड़ा (कर्नाटक), आराध्या शुक्ला (पंजाब), राज लिम्बनी (बड़ौदा) और नमन तिवारी (उत्तर प्रदेश)
स्टैंडबाय खिलाड़ी– प्रेम देवकर (मुंबई), अंश गोसाईं (सौराष्ट्र) और मो. अमान (उत्तर प्रदेश)
रिजर्व खिलाड़ी– दिग्विजय पाटिल, जयंत गोयत, पी विग्नेश

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

फिर एक बार दोनों करेंगे साथ काम

करण जौहर की अपकमिंग फिल्म में नजर आएंगे सलमान खान

एक्टर सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'द बुल' करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनेगी। इस फिल्म को डायरेक्टर विष्णु वर्धन डायरेक्ट करेंगे। यह दूसरा मौका है, जब सलमान और करण एक साथ काम करेंगे। इससे पहले सलमान को उनकी फिल्म कुछ-कुछ होता है में देखा गया था। हालांकि इस फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम था। वहीं आने वाले प्रोजेक्ट्स में किक 2 और दबंग 4 का नाम भी शामिल है। डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म में भी सलमान को देखा जाएगा। फिल्म द बुल में सलमान पैरामिलिट्री ऑफिसर के रोल में दिखेंगे, जिसकी तैयारी के लिए उन्होंने वजन कम करना शुरू कर दिया है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग इसी नवंबर के लास्ट में शुरू हो सकती है। इन बातों का खुलासा सलमान ने खुद एक इंटरव्यू में किया है।

नेशनल अवॉर्ड विनर है फिल्म शेरशाह के डायरेक्टर विष्णु वर्धन

फिल्म शेरशाह डायरेक्टर विष्णु वर्धन की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म थी। इस फिल्म के लिए उन्हें इस साल नेशनल अवॉर्ड के स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। अवॉर्ड पाने के बाद विष्णु वर्धन के साथ बातचीत में कंफर्म किया था कि वो अलगे प्रोजेक्ट पर करण जौहर के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया था– मुझे गर्व है। यह एक सम्मान की बात है। अभी मैंने एक रीजनल फिल्म की शूटिंग खत्म की है और अब मुझे अपना अगला प्रोजेक्ट करना है, जोकि करण जौहर के साथ है। फिल्म में सलमान पैरामिलिट्री ऑफिसर के रोल में दिखाई देंगे। इसके लिए उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। फिल्म में उनका खास लुक है, जिसके लिए उन्हें वजन कम करना होगा। इसके पर भी उन्होंने काम करना शुरू कर दिया है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग नवंबर के लास्ट से शुरू होगी जोकि आधे दिसंबर तक चलेगी।

मणिपुर के रीति-रिवाजों से होगी रणदीप और उनकी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम की शादी

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने अपनी वेडिंग डेट अनाउंस कर दी है। वे 29 नवंबर को मणिपुर में लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड लिन लैशराम से शादी करने जा रहे हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए रणदीप ने एक पोस्ट शेयर किया। एक्टर ने लिखा, महाभारत में अर्जुन ने मणिपुरी वॉरियर प्रिंसेस चित्रांगदा से शादी की थी। हम भी परिवार और दोस्तों के आशीर्वाद से शादी करने जा रहे हैं। हम आपसे यह शेयर करते हुए काफी खुश हैं कि 29 नवंबर 2023 को हमारी शादी मणिपुर के इम्फाल में होने जा रही है, जिसके बाद हम मुंबई में एक रिसेप्शन भी देंगे। हमें आपका आशीर्वाद चाहिए। रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम की शादी की रस्में 29 नवंबर की दोपहर से शुरू होकर रात तक चलेंगी। कपल मणिपुर की परंपरा के मुताबिक मणिपुरी पोशाक पहनकर शादी करेंगे। शादी की शाम मणिपुर के लोकगीतों से सजेगी, जहां खाना भी इसी ट्रेडिशन का होगा। शादी की सभी रस्में मणिपुर में होंगी। बाद में कपल मुंबई में एक रिसेप्शन होस्ट करेगा। मणिपुर में कुछ करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में होने वाली शादी के बाद एक्टर रणदीप हुड्डा मुंबई में एक ग्रेंड रिसेप्शन देंगे। इस रिसेप्शन में फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे शामिल होने वाले हैं। रणदीप हुड्डा की गर्लफ्रेंड लिन लैशराम एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ओम शांति ओम से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद लिन मैरी कॉम और रंगून जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की फिल्म जाने जां में भी लिन करीना कपूर के साथ नजर आ चुकी हैं। लिन, रणदीप के 10 साल छोटी हैं।

फिल्म 'दो पत्ती' की पार्टी में दिखीं एक्ट्रेस कृति सेनन

एक्ट्रेस कृति सेनन जुहू के 'द कंजर्वेटर'रेस्टोरेंट में नजर आईं। दरअसल वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'दो पत्ती' की पार्टी में पहुंची थीं। उनके साथ फिल्म प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों भी नजर आईं। वहां मौजूद एक फैन कृति के बाहर निकलने का इंतजार कर रहा था। दरअसल वो कृति के लिए केक लेकर आया था। कृति ने उसके कहने पर केक कट किया। इस दौरान एक्ट्रेस वाइड लेग जीन्स और टॉप पहने नजर आ रही थीं। दो पत्ती में कृति के साथ काजोल और टीवी एक्टर शहीर शेख भी नजर आएंगे। फिल्म को शशांक चतुर्वेदी डायरेक्ट करेंगे। कृति आखिरी बार फिल्म 'गणपत' में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं। वहीं एक्ट्रेस कटरीना कैफ मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। वो गुच्ची की स्वेटशर्ट और जीन्स पहने नजर आ रही थीं। कटरीना मास्क लगाए नजर आईं। वहीं मुंबई एयरपोर्ट पर विक्की कौशल भी दिखाई दिए। कटरीना और विक्की अलग-अलग समय पर नजर आए हैं।

फिल्म अभिनेत्री तृषा से एक्टर मंसूर बोले -

आपकी शादी में आशीर्वाद देने का मौका मिले

फिल्म 'लियो' फेम तमिल एक्टर मंसूर अली खान ने हाल ही में अपने विवादित बयान पर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन से माफी मांग ली है। मंसूर ने एक्ट्रेस से माफी मांगते हुए एक पोस्ट शेयर किया। मंसूर की इस माफी के बाद तृषा ने भी एक ट्वीट करते हुए उन्हें माफ किया है। तृषा ने लिखा, 'गलती करना इंसान का स्वभाव है और माफ करना देवताओं का गुण है।' हालांकि, कुछ दिन पहले ही मंसूर ने कहा था कि वो माफी नहीं मांगेंगे क्योंकि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है। पर अब एक्टर ने माफी मांग ली है जिसके बाद यह विवाद थमता हुआ नजर आ रहा है। मंसूर ने एक्ट्रेस से माफी मांगते हुए तमिल में एक लंबा नोट शेयर किया था। उन्होंने कहा था– मेरी को-स्टार तृषा प्लीज मुझे माफ कर दीजिए। ऊपर वाले से दुआ करता हूं कि मुझे आपकी शादी में आपको आशीर्वाद देने का मौका मिले।' इसके अलावा इस पोस्ट में मंसूर ने उन सभी लोगों का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होंने इस कॉन्ट्रोवर्सी के दौरान उनका सपोर्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि केस दर्ज होने के बाद पूछताछ के लिए जब वो पुलिस के सामने पेश हुए तो उन्हें पता चला कि कृष्णन उनके कमेंट से दुखी हैं तब उन्होंने पुलिस अधिकारी के सामने खेद व्यक्त किया। मंसूर बीते दिनों अपने एक विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में थे। उन्होंने तृषा के साथ फिल्म में रेप सीन शूट करने की इच्छा जताई थी। इस बयान के चलते सोशल मीडिया पर उन्हें बुरी तरह ट्रोल किया था।

मैनिट का दीक्षांत समारोह

यूजी में 35 को गोल्ड, 3177 विद्यार्थियों को यूजी-पीजी, पीएचडी की उपाधि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में 19वां और 20वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदेश कुमार शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के तौर पर संस्थान के दो पूर्व छात्रों, वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी विवेक देवांगन और अमेरिका में उद्यमी वेंकटेश शुक्ल शमिल हुए। जिन्हे संस्थान द्वारा डिस्टिंग्विश्ड एल्मनस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2022 और 2023 बैच के पासआउट 3177 विद्यार्थी स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने हेतु पात्र थे। इनमें से 1726 छात्रों ने दीक्षांत समारोह में शामिल होकर बी.टेक, बी.आर्क, बी.प्लान, एमटेक, एमएससी, एमबीए, एमसीए और पीएचडी की उपाधियां दी गइं। दोनों बैच को मिलाकर यूजी में 35 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल और 22 स्टूडेंट्स को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया।

अनुबंध में किश्त चुकाने की थी शर्त पर नहीं चुकाई, कोर्ट के आदेश के बाद तलैया पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

एसयूवी हड़पी, साढ़े 10 लाख का सौदा, 50 हजार रुपए थमाकर ले ली कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तलैया थाना क्षेत्र स्थित भोईपुरा में छिंदवाड़ा के एक व्यक्ति से जालसाज ने एसयूवी फाइव हंड्रेड कार हड़प ली। घटना पांच साल पुरानी है। दरअसल, उक्त व्यक्ति की मुलाकात भोपाल में अमित जैन नामक युवक से हो गई?थी। अमित जैन ने उनकी एसयूवी का सौदा किया और पचास हजार रुपए एडवांस दे दिए।

फाइल फोटो

एग्रीमेंट भी कराया गया। एग्रीमेंट के तहत फायनेंस एसयूवी की किश्त अमित जैन को जमा करनी थी, लेकिन उसने किश्त जमा नहीं की। घटना की शिकायत तलैया थाना पुलिस और अधिकारियों को की गई?थी। जब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो पीड़ित पक्ष ने कोर्ट में परिवाद दायर कर दिया। कोर्ट के आदेश के बाद तलैया पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है।

एसआई कमलेश रैकवार ने बताया कि लियाकत अली पिता हबीबउल्ला (50) मूलत-छिंदवाड़ा के रहने वाले हैं। उनके रिश्तेदार भोपाल में भोईपुरा में रहते हैं। वे अपने रिश्तेदार के घर अक्सर अपनी एसयूवी 500 से आते थे। अक्सर भोपाल आने के के कारण उनकी पहचान अमित जैन नामक युवक से हो गई?थी। वर्ष 2018 में भी वे एसयूवी से भोपाल आए?थे। भोईपुरा में उन्हें अमित जैन मिला। दोनों में बातचीत के दौरान लियाकत अली ने अपनी एसयूवी बेचने की बात कही। इस पर अमित ने कहा कि वह गाड़ी खरीद लेंगा। परिचय होने के कारण लियाकत अली तैयार हो गए। लियाकत अली ने कहा?था कि तुम पचास हजार रुपए दे दो और साढ़े दस लाख की किश्त है वह तुम चुकाते रहना। इसके अलावा कुछ नगदी और देने की बात कही गई थी। एग्रीमेंट होने बाद अमित ने लियाकत अली को पचास हजार रुपए देकर उनकी गाड़ी ले ली।

नहीं कराया लोन ट्रांसफर

लियाकत ने अमित पर विश्वास करते हुए अपना लोन ट्रांसफर नहीं कराया था। इधर अमित के हाथ गाड़ी लगी और उसने कुछ दिन किश्त चुकाई फिर किश्त चुकानी बंद कर ली। लियाकत के पास बैंक से किश्त के लिए कॉल आने लगे। उन्होंने अमित जैन से बातचीत की, लेकिन अमित ने किश्त नहीं जमा की। लियाकत ने अपनी कार वापस मांगी तो आरोपी ने कार देने से भी मना कर दिया। लियाकत अली ने घटना की शिकायत तलैया थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने जांच का हवाला देकर शिकायत नहीं की। लिहाजा लियाकत अली ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मोती मार्केट में डायक्लीनर्स की दुकान में लगी आग, 90 हजार का नुकसान

ऐशबाग के मोती मार्केट स्थित एक डायक्लीनर्स की दुकान में रात के समय आग लग गई, जिससे दुकान में रखे कपड़े, फर्नीचर और दस्तावेज समेत करीब 90 हजार का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने आगजनी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कुलदीप मालवीय (42) दुर्गा मंदिर के पास आचार्य नरेंद्रदेव नगर ऐशबाग में रहते हैं। वह अप्सरा टाकीज के पीछे मोती मार्केट में श्रीराम डायक्लीनर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। 23 नवंबर को ग्यारस की रात करीब 9 बजे कुलदीप दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगली सुबह करीब छह बजे दुकान के सामने रहने वाले एक व्यक्ति ने दुकान से धुआं निकलता देख उन्हें फोन किया। कुलदीप तुरंत मौके पर पहुंचे और शटर खोलकर देखा तो भीतर का सामान जल रहा था। उन्होंने डायल 100 और फायर ब्रिगेड को फोन लगाकर आग की सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इस बीच दुकान में रखी टीवी, इलेक्ट्रिक प्रेस, सीलिंग फैन, लकड़ी की टेबिल, दो कुर्सियां, लकड़ी के दो काउंटर, प्रेस के आए ग्राहकों के कई जोड़ी कपड़े, बैंक की पासबुक, दुकान का गुमाश्ता, आधार कार्ड, राशन कार्ड समेत अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने से कुल 90 हजार रुपये का नुकसान होना बताया गया है। पुलिस ने आगजनी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फूल खरीद रहे बुजुर्ग की जेब से मोबाइल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अप्सरा टाकीज के सामने स्थित दुकान से फूल खरीद रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति की जेब से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। बदमाश की यह करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हालांकि पुलिस ने गाड़ी पर चलते समय मोबाइल फोन गिरने की शिकायत ली है।

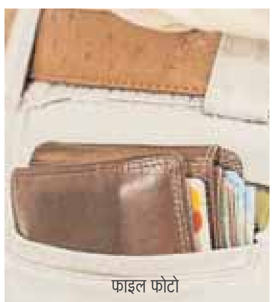

फाइल फोटो

जानकारी के अनुसार श्रीराम मालवीय (63) दुर्गा मंदिर के पास, आचार्य नरेंद्रदेव नगर ऐशबाग में रहते हैं और कारपेंटर का काम करते हैं। बीती 23 नवंबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह रायसेन रोड पर अप्सरा टाकीज के सामने स्थित एक दुकान से पूजन के लिए फूल खरीद रहे थे। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति सामान खरीदने के बहाने से उनके पास जाकर खड़ा हो गया। उक्त व्यक्ति ने एक हाथ में प्लास्टिक का झोला ले रखा है। झोले को उसने दुकानदार की तरफ इस तरह से लगाया कि उसकी नजर नहीं पड़े। उसके बाद श्रीराम के पास सटकर खड़ा हो गया और शर्ट की जेब में रखा मोबाइल फोन निकाल कर चला गया। कुछ देर बाद श्रीराम को मोबाइल गायब होने का पता चला तो उन्होंने ऐशबाग थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने उनसे मोबाइल गुम होने की शिकायत लिखवाई, जिसमें गाड़ी चलाते समय पैंट की जेब से मोबाइल फोन कहीं गिरने की बात लिखी गई थी। बुजुर्ग के परिजनों ने जब दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाले तो अज्ञात व्यक्ति मोबाइल चोरी करते हुए दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर संदेही व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

बस के इंतजार में खड़ी छात्रा के साथ युवक ने की छेड़छाड़

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद पुलिस ने एक कालेज छात्रा की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ छेड़छाड़ और गाली-गलौज करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 18 वर्षीय युवती इंजीनियरिंग कालेज में पढ़ती है। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे वह कालेज जाने के लिए बरखेड़ी बस स्टाप पर बस का इंतजार कर रही थी। इसी बीच सादाब नामक युवक पहुंचा और छात्रा के साथ अश्लील हरकत कर दी। पीड़िता के विरोध करने पर वह गाली-गलौज करने लगा। आसपास के लोग पहुंचे तो सादाब मौके से भाग निकला। हालांकि बाद में पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

गुरु नानक जयंती

भोपाल के पुराने शहर से गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया।

बंद कमरे में मिली युवक की तीन दिन पुरानी लाश

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुदामा नगर में इलेक्ट्रिशियन लाश फांसी के फंदे पर मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी पड़ोस में रहने वाले पिता और भाई को उस समय लगी जब कमरे से बदबू आने लगी। दरअसल, वह पिता और भाई से अलग अपने कमरे में रहता था और उसकी दोनों से नहीं बनती थी।

पुलिस के अनुसार सुदामा नगर ऐशबाग निवासी जयप्रकाश नामदेव (40) पेशे से इलेक्ट्रिशियन था। वह मकान के एक कमरे में रहता था, जबकि पिता तथा भाई दूसरे कमरे में रहते थे। जयप्रकाश का अपने पिता अथवा भाई से मिलना-जुलना नहीं था। वह ज्यादातर अपने कमरे में ही रहता था। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे कमरे से बदबू आने पर पिता मन्नू नामदेव ने खिड़की से झांककर देखा तो जयप्रकाश का शव फंदे पर लटका नजर आया। सूचना पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया है। शव सड़ा होने के कारण अनुमान है कि वह तीन से चार दिन पुराना है।

मेट्रो एंकर बिना ब्याज दिए गिरवी रखते थे गोल्ड, कोतवाली पुलिस ने दोनों भाइयों को दबोचा

ग्राहकों का सोना और नगदी, ठग ज्वलर्स वर्ल्ड कप में हारे, दोनों को किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोतवाली पुलिस ने 200 ग्राहकों से 4 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले वाले ज्वेलर्स अंकित उर्फ राहुल और प्रतीक रस्तोगी को गिरफ्तार कर लिया है।

फाइल फोटो

पूछताछ में आरोपिें ने ग्राहकों के जेवर और पैसे सट्टे में हारने की बात कही हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि जुआ-सट्टा में काफी कर्ज हो गया था। जिसे चुकाने के लिए उन्होंने 19 नवंबर को क्रिकेट वर्ड कप फाइनल मैच में इंडिया-आस्ट्रेलिया के बीच आखिरी दाव लगा दिया। इस दाव में इंडिया के हारने के साथ ही वह बर्बाद हो गए। ग्राहकों की डर की वजह से 20 नवंबर से वह दुकानबंद कर फरार हो गए। उल्लेखनीय है कि पोस्ट आफिस गली, सराफा चौक स्थित प्रियंका ज्वेलर्स के मालिक अकिंत उर्फ राहुल रस्तोगी व प्रतीक रस्तोगी के खिलाफ 20 नवंबर से ठगी, अमानत में खयानत की शिकायत पुलिस के पास पहुंच रही थीं। पुलिस ने गुरुवार को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शुक्रवार तक 70 शिकायतें मिल चुकी हैं। पुलिस को अनुमान है कि शिकायतों की संख्या बढ़ सकती है। पीड़ितों में 98 फीसदी लोग एक ही समुदाय के हैं। इनमें अधिकतर एक दूसरे को जानते हैं। पुलिस ने शुक्रवार को अंकित को गिरफ्तार किया था, जबकि शनिवार को उसके भाई प्रतीक को गिरफ्तार किया।

ग्राहकों के गहने गिरवी रख जुआ-सट्टा में दाव लगाया

आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों भाई जुआ-सट्टा में दाव लगाते हैं। वह करीब दो साल से जुआ-सट्टा खेल रहे हैं। इसमें बड़ी पूंजी गंवा चुके हैं। इससे उनपर कर्ज बढ़ता गया। वह ग्राहकों के जेवरों को दूसरी जगह गिरवी या बेचकर पैसे लेते रहे। आरोपियों की पूछताछ में खुलासा हुआ कि जुआ-सट्टा खेलने के लिए आरोपियों ने सूदखोरों से कर्ज भी लिया। ब्याज अधिक होने की वजह से वह कर्ज नहीं चुका पाए। उनका मूल कर्ज बना ही रहा। वह ग्राहकों के जेवर की हेराफेरी करना शुरू कर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022